MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-25 ❖ मुंबई ❖ रविवार 12 से 18 जून 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

पेज 3
सलमान खान की हत्या की साजिश! 4 लाख में खरीदी राइफल, धमकी भरा खत रखने वाले की हुई शिनाख्त

पेज 5
शानदार केक काटकर ऐक्ट्रेस शालिनी सिंह का भव्य बर्थडे सेलेब्रेशन मुम्बई में मनाया गया

पेज 7
फिल्म बड़ी होती हैं कलाकार नहीं : नुसरत भरूचा

पेज 8
नवाब मलिक को बॉम्बे हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत, नहीं डाल पाएंगे वोट

एक नजर

कराची के मंदिर में तोड़फोड़ पर भारत ने जताया विरोध

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची में हिन्दू मंदिर में तोड़फोड़ पर विरोध व्यक्त करते हुए भारत ने इस घटना को पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सुनियोजित उत्पीड़न की एक और कड़ी बताया तथा कहा कि वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं भलाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस बारे में एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'हमने पाकिस्तान के कराची में हिन्दू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना से जुड़ी हाल की घटना पर गौर किया है।

भारत आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक 16-17 जून को

नई दिल्ली। भारत आगामी 16-17 जून को राजधानी में आसियान भारत विदेश मंत्री स्तरीय विशेष बैठक का आयोजन करने जा रहा है जो भारत आसियान के बीच संवाद संपर्क के 30 वर्ष और रणनीतिक साझीदारी के दस वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां नियमित ब्रीफिंग में यह जानकारी देते हुए कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन बैठक की सहअध्यक्षता करेंगे। आसियान देशों के विदेश मंत्री और आसियान के महासचिव इसमें भाग लेंगे। वर्ष 2022 को भारत आसियान मैत्री वर्ष के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

कार्ति के चार्टर्ड अकाउंटेंट भास्कररमण को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम के चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररमन को जमानत दे दी, जिसे सीबीआई ने 19 मई को चीनी वीजा घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष सीबीआई न्यायाधीश का विस्तृत आदेश बाद जमानत दी गई। पिछले हफ्ते सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने कार्ति और मामले में एस भास्कर रमण और थर्मल पावर प्लांट तलवंडी साबो पावर के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट विकास मखरिया सहित अन्य आरोपी व्यक्ति यों द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

महाराष्ट्र में शिवसेना को झटका, 6 में से तीन सीटें BJP ने जीती, कांग्रेस-एनसीपी को मिली एक-एक सीट

महाराष्ट्र के राज्यसभा चुनाव में सत्ताधारी शिवसेना (Shiv Sena) को बड़ा झटका लगा है. 6 सीटों के लिए हुए मतदान में बीजेपी ने 3 सीटों पर जीत हासिल की. शुक्रवार को हुए राज्यसभा चुनाव का नतीजा आज सुबह चार बजे के आसपास आया. यह नतीजा सत्ताधारी महाविकास अघाड़ी के लिए किसी झटके से कम नहीं था. विपक्ष में होने के बावजूद बीजेपी ने तीनों पर कब्जा जमाया वहीं शिवसेना के खाते में एक सीट आयी. कांग्रेस और एनसीपी को एक एक सीट से संतोष करना पड़ा.

महाराष्ट्र में राज्यसभा की 6 सीटों के लिए 7 उम्मीदवार थे

महाराष्ट्र में राज्यसभा की 6 सीटों के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में थे. इनमें से बीजेपी के पीयूष गोयल को सबसे ज्यादा 48 वोट मिले. वहीं BJP के दूसरे उमीदवार अनिल बोंडे को भी 48 वोट मिले और तीसरे उमीदवार धनंजय मालिक को पहली पसंत के 27 वोट मिले जो सेकंड प्रेफरेंस के मतगणना में 41 वोट से जीत गए . केंद्रीय मंत्री और विजयी उम्मीदवार पीयूष गोयल ने कहा, ''जिस कुशलता के साथ पूरी पार्टी एकजुट होकर लगी थी उन्होंने दिखा दिया कि भाजपा को ही प्रदेश में लोगों ने चुना था. फिर एक बार जनता को मौका मिलेगा और जनता भाजपा के साथ खड़ी है.''

बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

बीजेपी नेता और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''आज हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है कि महाराष्ट्र में राज्यसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के तीनों प्रत्याशी चुनकर आए हैं. पीयूष गोयल को सबसे ज्यादा 48 वोट मिली हैं, अनिल बोंडे को भी 48 वोट मिली हैं. हमारे तीसरे प्रत्याशी भी शिवसेना के संजय राउत से ज्यादा वोट लेकर चुनकर आए हैं. भाजपा की ताकत आज हमको देखने को मिली है.''

नतीजों पर शिवसेना की ओऱ नाराजगी जाहिर की गई है. शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, ''हमारे दूसरे उम्मीदवार संजय पवार को पहली वरीयता के सबसे ज्यादा 33 वोट मिले हैं, लेकिन राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया पेचीदा है. दूसरी वरीयता के वोट के आधार पर भाजपा उम्मीदवार को बढ़त मिल गई. हमारा एक वोट अमान्य भी घोषित किया गया.'

बीजेपी के हाथों एक सीट हारने पर छलका संजय राउत का दर्द

महाराष्ट्र में राज्यसभा की छह में से तीन सीटें बीजेपी के जीतने के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने चुनाव आयोग पर बीजेपी का पक्ष लेने का आरोप लगाया. संजय राउत ने कहा, "चुनाव आयोग ने हमारे एक वोट को अमान्य कर दिया. हमने दो वोटों का विरोध किया लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. चुनाव आयोग ने भाजपा का समर्थन किया." मतगणना में हुई 8 घंटे की देरी बता दें कि, भाजपा के पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और धनंजय महादिक ने राज्यसभा चुनाव में जीत दर्ज की, जबकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के तीन उम्मीदवारों, शिवसेना के संजय राउत, एनसीपी के प्रफुल पटेल और कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी ने भी जीत हासिल की. हालांकि, एमवीए के संजय पवार भाजपा के धनंजय महादिक से हार गए. भाजपा और सत्तारूढ़ एमवीए गठबंधन द्वारा क्रॉस-वोटिंग और नियम उल्लंघन को लेकर चुनाव आयोग (ईसी) के पास शिकायत दर्ज कराने के बाद राज्य में मतगणना में लगभग 8 घंटे की देरी हुई.

मुंबई को समर्पित किया विमानवाहक पोत विक्रांत का मॉडल, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी रहे मौजूद

वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय नौसेना का पहला विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का एक मॉडल शुक्रवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा मुंबई शहर को समर्पित किया गया। विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने 1961 के गोवा मुक्ति और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भाग लिया था।

नौसेना ने एक बयान में कहा कि विक्रांत का 10 मीटर लंबा मॉडल नेवल डॉकयार्ड, मुंबई इन-हाउस ने बनाया गया है रेजिडेंट्स एसोसिएशन 'माई ड्रीम कोलाबा' और 'कैलम' के सहयोग से दक्षिण मुंबई के रीगल सर्कल, कोलाबा में स्थापित किया गया है। वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

नौसेना ने कहा कि विक्रांत का मॉडल मुंबई के मजबूत समुद्री संपर्क और महाराष्ट्र की समान रूप से समृद्ध समुद्री विरासत को दर्शाएगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मॉडल प्रसिद्ध रीगल सर्कल, कोलाबा में प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया और नेवल डॉकयार्ड पर खड़ा है, जो मुंबई शहर के साथ जहाज के मजबूत बंधन को दर्शाता है, जहां वह अपनी पूरी कमीशन सेवा के दौरान आधारित थी।

बीजेपी और शिवसेना की टक्कर में बीजेपी को मिली जीत पर बोले शरद पवार

महाराष्ट्र में राज्यसभा की छह में से तीन सीटें भाजपा के जीतने के बाद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि वह परिणाम देखकर हैरान नहीं हैं. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को एक अतिरिक्त वोट मिला, जो एक निर्दलीय विधायक से आया था, जिसका झुकाव विपक्ष की तरफ था. भाजपा उम्मीदवारों, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और राज्य के पूर्व मंत्री अनिल बोंडे, और धनंजय महादिक ने शुक्रवार को हुए चुनाव में जीत हासिल की. शिवसेना के संजय राउत, एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी भी विजयी हुए. शिवसेना के दूसरे उम्मीदवार संजय पवार भाजपा के महादिक से हार गए.

छठी सीट के लिए थी कड़ी लड़ाई- शरद पवार

इसी को लेकर शरद पवार ने कहा कि मैं परिणाम देखकर हैरान नहीं हूं. यदि आप (महा विकास अघाड़ी सहयोगी) एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस के प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा डाले गए वोटों को देखें, तो उन्हें कोटे के अनुसार वोट मिले. केवल प्रफुल्ल पटेल (एनसीपी) को एक अतिरिक्त वोट मिला और मुझे पता है कि यह कहां से आया. वह एमवीए का वोट नहीं था, यह विपक्ष से था. उन्होंने कहा कि शिवसेना द्वारा लड़ी गई छठी सीट के लिए एक बड़ा अंतर था, लेकिन एमवीए ने साहस दिखाया और प्रयास किया. भाजपा के पक्ष में अधिक निर्दलीय विधायक थे, लेकिन भाजपा और एमवीए दोनों के लिए, वोटों की संख्या पर्याप्त नहीं थी." एमवीए ने कुछ संख्या कम होने के बावजूद छठी सीट जीतने का साहसी प्रयास किया. पवार ने कहा कि चमत्कार को स्वीकार करना होगा, जिसमें भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, निर्दलीय और छोटे दलों को अपनी और खींचने में सफल रहे, जो एमवीए का समर्थन कर सकते थे. उन्होंने कहा, "यही कारण है कि वोटों का यह अंतर था."

एमवीए सरकार को कोई खतरा नहीं- शरद पवार

शरद पवार ने आगे कहा कि पटेल (NCP), प्रतापगढ़ी (कांग्रेस) और राउत (शिवसेना) के लिए पहली वरीयता के वोट का कोटा बरकरार है. पवार ने कहा कि "वास्तव में, प्रफुल्ल पटेल को भाजपा समर्थित एक निर्दलीय विधायक से एक अतिरिक्त वोट मिला, जिन्होंने मुझे सूचित करने के बाद पटेल को वोट दिया था. निर्दलीय विधायक ने पहले मेरे साथ काम किया था." NCP प्रमुख ने कहा कि राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को कोई खतरा नहीं है. उन्होंने कहा, "छठी सीट एमवीए के लिए जोखिम थी, लेकिन उद्धव ठाकरे ने जोखिम उठाया. राजनीति में, जोखिम लेना पड़ता है."

मुंबईकर को लगने वाला है झटका

14 पर्सेंट तक प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने की तैयारी में बीएमसी

मुंबई : कोरोना संकट से उबरने के बाद आर्थिक रूप से पटरी पर लौटने की कोशिश में लगे मुंबईकरों को बीएमसी झटका देने की तैयारी कर रही है। कोरोना और लॉकडाउन के कारण दो साल तक राहत देने के बाद बीएमसी नई रेडी रेकनर दर से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने की योजना बना रही है। बीएमसी ने इसके लिए प्रपोजल तैयार कर लिया है, प्रशासनिक मंजूरी मिलते ही नया बिल भेजना शुरू हो जाएगा। बढ़ा हुआ प्रॉपर्टी टैक्स अप्रैल 2022 से वसूला जाएगा। यदि टैक्स में सुधार किया जाता है तो यह 10 से 14 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। बता दें कि बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने वर्ष 2022-23 के बजट में प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने की घोषणा की थी।

पिछली बार 2015 में बढ़ा था

बीएमसी के नियम के अनुसार हर 5 साल में प्रॉपर्टी टैक्स में सुधार किया जाता है। पिछली बार वर्ष 2015 में प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाया गया था। उस हिसाब से वर्ष 2020 में प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाया जाना था लेकिन मार्च 2020 में

शुरू हुए कोरोना संकट के कारण टैक्स नहीं बढ़ाया गया। जून 2021 में रेडी रेकनर दर के अनुसार 14 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव बीएमसी प्रशासन ने स्थायी समिति में पेश किया था, लेकिन बीजेपी, कांग्रेस एवं सपा के भारी विरोध के कारण प्रस्ताव को वापस लेना पड़ा था।

मुंबई में कहां कितना प्रॉपर्टी टैक्स

बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना संकट लगभग खत्म हो गया है। राज्य सरकार ने रेडी रेकनर बढ़ाया है, उसी आधार पर बीएमसी भी प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ा सकती है। अधिकारी ने बताया कि कोलाबा से माहिम तक वर्ष 2015 में रेडी रेकनर दर प्रति वर्ग मीटर औसतन 2,37,600 रुपये था जो वर्ष 2022 में बढ़कर 3,27,810 रुपये हो गया। यानी इस दौरान इन एरिया में 90,210 रुपये दर बढ़ गई। इसी तरह घाटकोपर (कुर्ला से मुलुंड) जोन में वर्ष 2015 में रेडी रेकनर दर 99,100 रुपये प्रति वर्ग मीटर थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 1,37,730 रुपये हो गई। यानी इस दौरान 38,630 रुपये की वृद्धि हुई है। वेस्टर्न में बांद्रा से लेकर दहिसर तक वर्ष 2015 में रेडी रेकनर दर 2,08,300 रुपये प्रति वर्ग मीटर था जो वर्ष 2022 में बढ़कर 2,37,390 रुपये हो गया। यानी इस दौरान रेडी रेकनर दर में 29,090 रुपये बढ़ गया। मुंबई में सभी आर्थिक गतिविधियां शुरू है, लोगों की जिंदगी पटरी पर लौट आई है। दो साल टैक्स न बढ़ाने के कारण बीएमसी को करोड़ों रुपये का राजस्व घाटा हुआ है। इस दौरान मुंबई में 500 वर्ग फुट के घरों को पूरी तरह से टैक्स फ्री कर दिया गया है। जिससे बीएमसी को राजस्व नुकसान सहन करना पड़ेगा।

निर्देश जारीः विज्ञापनों में महिलाओं को दिखाने पर लगेगा अंकुश, लैंगिक चित्रण को बढ़ावा देने पर लगेगी रोक

एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने लैंगिक रूढ़िवाद पर दिशा निर्देश जारी किया है। इसने कहा है कि विज्ञापनों में लैंगिक चित्रण को बढ़ावा देने पर रोक लगाई जाए। क्योंकि यह समाज के लिए हानिकारक है। इसने विज्ञापनों में दिखाए जाने वाले चित्रों की एक सीमा भी तय कर दी है। मुख्य रूप से महिलाओं से संबंधित सभी मामलों में इसका पालन करना होगा। विज्ञापन देने वाली कंपनियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे प्रगतिशील लैंगिक चित्रों को बढ़ावा देने वाली सामग्रियों को प्रोत्साहित करें। ऑनलाइन डिलीवरी में नहीं दिखा सकते ये विज्ञापन दिशा-निर्देश के मुताबिक, उदाहरण के तौर पर अगर कोई ऑन लाइन सेवा लेता है और उसमें महिला को फास्ट फूड आइटम के पीछे आधे वस्त्र में उत्तेजक मुद्रा के रूप में दिखाया जाता है तो यह एक गलत या समस्या वाला विज्ञापन हो सकता है। इसने कहा है कि भले ही यौन रूप से छवि स्पष्ट न हो, पर ऐसे विज्ञापनों की कोई प्रासंगिकता नहीं होती है। साथ ही कहा, विज्ञापनों को गलत और अवांछनीय लिंग आदर्शों व अपेक्षाओं को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। किसी विज्ञापन में ऐसा संदेश नहीं देना चाहिए जिसमें यह साबित हो कि व्यक्ति लिंग के कारण किसी काम को करने में विफल है। इस दिशा-निर्देश को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को जारी किया था। इसके अनुसार किसी भी लिंग के लिए अपमानजनक भाषा या लहजे के जरिये दूसरों पर अधिकार जमाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए।

बिना हेलमेटवालों पर मुंबई पुलिस की कार्रवाई तेज!

मुंबई, शहर में ध्वनि प्रदूषण करनेवालों और गलत दिशा में वाहन चलानेवालों के खिलाफ मुंबई पुलिस द्वारा पिछले कुछ सप्ताह से कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही अब बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलानेवाले और बिना हेलमेट के पीछे बैठनेवालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज की है। पिछले दो दिनों में मुंबई ट्रैफिक पुलिस की तरफ से शहर भर में १२ हजार ९०६ लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की जानकारी डीसीपी राज तिलक रौशन ने दी है।

मुंबई पुलिस आयुक्त संजय पांडेय ने पिछले सप्ताह शहर में बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलानेवालों के साथ ही पीछे बैठनेवालों पर भी कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इस आदेश के अनुसार ट्रैफिक पुलिस की तरफ से १५ दिन का समय दिया गया था। इस आदेश के अनुसार गुरुवार से मुंबई में बिना हेलमेट पहने मोटरसाइकिल चलाने या बैठनेवालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। डीसीपी राज तिलक रौशन ने एक अधिसूचना जारी कर कहा था कि ९ जून से हेलमेट पहनकर ही लोग दुपहिया वाहन चलाएं। इनमें बाइक चालक और पीछे बैठनेवाले सवार भी शामिल होंगे। इसके अनुसार ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पिछले दो दिनों में १२,९०६ मोटरसाइकिल सवारों पर कार्रवाई हुई है, जिसमें बिना हेलमेट प्रवास करनेवाले ५,९०६ चालक, २,०५२ पीछे बैठे सह प्रवासी और ९४८ चालक व प्रवासियों पर कार्रवाई की गई है।

चौथी लहर की दस्तक! दिल्ली से केरल तक लोगों में घबराहट

नई दिल्ली, देश में तेजी से बढ़ती वैश्विक महामारी कोरोना की रफ्तार एक बार फिर डराने लगी है। बीते २४ घंटों में साढ़े ७ हजार से अधिक नए मामले सामने आने और २४ मरीजों की मौत के बाद प्रशासन के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। क्योंकि वीकली पॉजिटिविटी रेट और डेली पॉजिटिविटी रेट दोनों बढ़ रहा है।

देश में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। चार महीने में कोरोना के मामलों में गिरावट के बाद अब एक बार फिर नए मामलों में उछाल आने लगा है। दिल्ली, मुंबई, कर्नाटक, केरल समेत देश के कई राज्य ऐसे हैं जहां एक हफ्ते में नए मामलों की संख्या दोगुनी तक बढ़ गई है। देश में भी कोरोना के नए मामले हफ्तेभर में लगभग दोगुने हो गए हैं। २ जून को देश में करीब ४ हजार नए मामले सामने आए थे, जबकि गुरुवार को साढ़े ७ हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक २४ घंटे में कोरोना के ७,५८४ नए संक्रमित मिले हैं। २४ मरीजों की मौत भी हुई है। पॉजिटिविटी रेट भी २ फीसदी के पार चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि १११ दिन बाद संक्रमण दर दो फीसदी के पार हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक २४ घंटे में सबसे ज्यादा २,८१३ नए मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं। उसके बाद केरल में २१९३, दिल्ली में ६२२, कर्नाटक में ४७१ और हरियाणा में ३४८ केस आए हैं। देश में जितने नए मरीज मिले हैं, उनमें से ८५ फीसदी से ज्यादा इन्हीं पांच राज्यों से हैं। मुंबई में गुरुवार को १,७०२ नए मामले सामने आए हैं। एक हफ्ते में कोरोना के नए मामले केरल में ६०ॶ, दिल्ली में ६७ॶ, कर्नाटक में ५९ॶ और हरियाणा में ८५ॶ तक बढ़ गए हैं। गौरतलब हो कि कोरोना के नए मामलों में तेजी के लिए ओमिक्रॉन के दो सब-वैरिएंट्स BA.4 और BA.5 को जिम्मेदार माना जा रहा है। देश में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना में इन दोनों वैरिएंट्स की एंट्री हो चुकी है।

युवा आबादी को भुनाएं

यह सूचना सचमुच राहत देने वाली है कि केंद्र सरकार देश में जनसंख्या नियंत्रण का कोई कानून नहीं लाने जा रही। मौजूदा हालात में इसकी जरूरत नहीं है। यही बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने अप्रैल में संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल पर बहस के दौरान कही थी। इस लिहाज से सरकार के रुख को लेकर किसी तरह का भ्रम होना नहीं चाहिए था, लेकिन इसी बीच सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और एक केंद्रीय मंत्री के इसके बिल्कुल उलट आशय वाले बयान आ गए। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक जहां पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि कानून बनाने की प्रक्रिया में वक्त लगता है और इस बारे में विचार-विमर्श जारी है, वहीं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने साफ-साफ कहा कि देश में जल्दी ही जनसंख्या नियंत्रण का कानून आने वाला है। इसके बाद स्वाभाविक रूप से चर्चा शुरू हो गई कि संभवतः इस बारे में सरकार के पुराने रुख में बदलाव आया है। यह चर्चा चिंता बढ़ाने वाली इसलिए थी क्योंकि जनसंख्या के

मोर्चे पर ताजा रुझान काफी पॉजिटिव हैं। देश में टोटल फर्टिलिटी रेट यानी प्रति महिला औसत प्रसूति दर 2015-16 के 2.2 से घटकर 2019-20 में 2 पर आ चुकी है। ध्यान रहे किसी देश या समाज में जनसंख्या को स्थिर रखने वाली दर यानी रिप्लेसमेंट फर्टिलिटी रेट 2.1 मानी जाती है। इसका मतलब यह हुआ कि अपने देश में औसत टीएफआर जरूरी बिंदु से भी नीचे आ चुका है। हालांकि यह सही है कि ऐसा पूरे देश में नहीं हुआ है। बिहार (2.98), मेघालय (2.91), उत्तर प्रदेश (2.35), झारखंड (2.26) और मणिपुर (2.17) जैसे राज्यों में यह अभी भी रिप्लेसमेंट फर्टिलिटी लेवल से ऊपर बना हुआ है। लेकिन सभी राज्यों में ट्रेंड उतार का ही है। बिहार में यह चार के आसपास हुआ करता था, जो अब तीन के नीचे आ चुका है। ऐसे ही सभी समुदायों में भी टीएफआर में कमी देखी जा रही है। यह स्थिति कानून के दबाव से नहीं, आर्थिक विकास, शिक्षा और जागरूकता के प्रसार से हासिल की गई है। ऐसे में अब जब जनसंख्या वृद्धि अपने आप काबू में आती दिख रही है, इसके लिए दंडात्मक प्रावधानों वाले कानून लाना कहां से मुनासिब है। वह भी ऐसे वक्त में, जब देश के हाथ से डेमोग्राफिक डिविडेंड के निकलने का डर पैदा हो गया है। 2021 में भारत की करीब 64 फीसदी आबादी कामकाज के लायक थी। अगले 10 साल में यह बढ़कर लगभग 65 प्रतिशत हो जाएगी। फिर इसमें गिरावट आने लगेगी। भारत में औसत उम्र 28 साल के करीब है। यह 2026 तक 30 और 2036 तक 35 साल हो जाएगी। इसलिए अभी तो युवा आबादी के अधिक इस्तेमाल पर ध्यान दिया जाए ताकि आर्थिक विकास की रफ्तार तेज की जा सके। अगर यह काम अच्छी तरह से हुआ तो कुछ दशकों में भारत सुपरपावर का दर्जा हासिल कर सकता है।

कैंसर का खात्मा!

किरीट ए. चावड़ा

कैंसर का पूरी तरह उन्मूलन और साइड इफेक्ट्स का अभाव यही दो बातें एक्सपर्ट्स के मन में संदेह भी पैदा कर रही हैं।

उनका कहना है कि यह केस स्टडी इतनी छोटी है कि इसके निष्कर्षों को जस का तस स्वीकार करना मुश्किल है। इसे ज्यादा लोगों पर और बड़े दायरे में दोहराने की जरूरत है।

महज एक दवा के सहारे छह महीने के अंदर कैंसर पूरी तरह ठीक कर देने की अमेरिका से आई खबर चमत्कार सरीखी ही है। हालांकि विशेषज्ञ अभी इस प्रयोग के साथ कई तरह के किंतु-परंतु जोड़ रहे हैं, लेकिन कोई भी इसे सीधे तौर पर खारिज नहीं कर रहा। इस प्रयोग की रिपोर्ट द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपी है। जिन 18 लोगों पर ये प्रयोग किए गए, वे सब रेक्टल कैंसर से पीड़ित थे। इन सबको डोस्टारलिमैब नाम की दवा दी गई। इसकी खासियत यह बताई जाती है कि यह कैंसर सेल की पहचान उजागर कर देता है। इसके बाद शरीर का इम्यून सिस्टम इस तक पहुंचकर इसे नष्ट कर देता है। सभी अठारहों मरीजों को यह दवा छह महीने तक हर तीसरे हफ्ते दी जाती रही और नतीजा यह हुआ कि इनका कैंसर पूरी तरह गायब हो गया। शुरू में इन मरीजों को लगा था कि दवा से उन्हें काफी मदद मिलेगी, लेकिन आगे कीमोथेरेपी वगैरह से तो गुजरना ही पड़ेगा। मगर जांच के

बाद बताया गया कि उनका कैंसर ठीक हो चुका है और आगे किसी इलाज की जरूरत नहीं है। सिर्फ दवा के सहारे कैंसर का इस तरह से उन्मूलन हो जाना आश्चर्यजनक माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अब तक के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। सबसे बड़ी बात यह कि इन मरीजों में दवा का कोई गंभीर साइड इफेक्ट भी नहीं दिखा। हर पांच में से एक पेशंट में कुछ प्रतिकूल असर दिखा, लेकिन उन पर आसानी से काबू कर लिया गया। तीन से पांच फीसदी मरीजों में ही मांसपेशियों की कमजोरी और चबाने, निगलने में कुछ तकलीफ जैसे लक्षण पाए गए। कैंसर के पारंपरिक इलाज के दौरान होने वाले साइड इफेक्ट्स के मुकाबले ये कुछ भी नहीं हैं। कैंसर का पूरी तरह उन्मूलन और साइड इफेक्ट्स का अभाव यही दो बातें एक्सपर्ट्स के मन में संदेह भी पैदा कर रही हैं। उनका कहना है कि यह केस स्टडी इतनी छोटी है कि इसके निष्कर्षों को जस का तस स्वीकार करना मुश्किल है।

इसे ज्यादा लोगों पर और बड़े दायरे में दोहराने की जरूरत है। इस प्रयोग के आरंभिक निष्कर्षों को कठिन कसौटियों से गुजार कर ही इन्हें ज्यादा उपयोगी बनाया जा सकता है। कैंसर दुनिया में हर साल करीब एक करोड़ लोगों की मौत का कारण बनता है। इसका इलाज न केवल महंगा बल्कि अत्यधिक तकलीफदेह भी है। खर्च के मामले में तो यह प्रयोग भी अपने मौजूदा रूप में शायद कोई राहत न दे सके (छह महीने के कोर्स में सिर्फ दवा की कीमत 75 लाख रुपये से ऊपर बैठ रही है), लेकिन समय के साथ दवा की कीमत कम होने की उम्मीद की जा सकती है।

रूस, चीन की नजदीकियों पर नजर रखे भारत

गणेश पाण्डेय

यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर अप्रत्याशित आर्थिक पाबंदियां लगाई हैं तो चीन, उसके रक्षक के रूप में सामने आया है। रूस और चीन की इस दोस्ती का दुनिया पर क्या असर होगा, यह देखना अभी बाकी है। क्या इससे वैश्विक स्तर पर सत्ता संतुलन प्रभावित होगा? इसका भारत और चीन के रिश्तों पर क्या प्रभाव पड़ेगा जिनके बीच सीमा विवाद चल रहा है? रूस पर अमेरिका, पश्चिमी यूरोपीय देशों, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने मिलकर प्रतिबंध लगाए हैं। रूस और चीन दोनों को ही एक हद तक लगता है कि इन देशों के बीच यह एका अधिक दिनों तक नहीं चलेगा। खासतौर पर जब सर्दियां शुरू होंगी तो यूरोप के लिए रूस की एनर्जी सप्लाई के बगैर गुजारा करना मुमकिन नहीं होगा।

चीन का गेमप्लान

इस मामले पर चीन की पैनी नजर है, जिसका ताइवान और दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों से उसी तरह का टकराव हो सकता है, जैसा अभी रूस का यूक्रेन को लेकर चल रहा है। चाइनीज मीडिया में ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि रूस पर प्रतिबंधों की कुछ पश्चिमी देश समीक्षा कर रहे हैं। कुछ का यह भी मानना है कि प्रतिबंधों पर सख्ती से अमल नहीं हो रहा है और यूरोप एनर्जी सप्लाई के लिए अमेरिका के भरोसे नहीं रहना चाहेगा। यह बात और है कि अमेरिका की एनर्जी कंपनियां यूरोप से बिजनेस मिलने के इंतजार में हैं। भारत की दिलचस्पी यह जानने में है कि रूस किस हद तक चीन पर खरीदारी के लिए आश्रित होगा। एक तरफ जहां चीन, रूस से तेल और गैस खरीद रहा है, वहीं दूसरी ओर वह रूस के लिए कुछ इलेक्ट्रॉनिक गुड्स और रिप्लेसमेंट टेक्नॉलजी का बड़ा सप्लायर बन सकता है क्योंकि पश्चिमी देश रूस के साथ व्यापार को रोकने के लिए सारे रास्ते बंद करने में जुटे हैं।

रूस पहले चीन के साथ बराबर का साझेदार था, लेकिन क्या आज के हालात में वह पिद्दू बनता जा रहा है? मैं यह बात यूं ही नहीं कह रहा। इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि रूस, चीन को खुश करने की कोशिश कर रहा है। मिसाल के लिए, चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशटिव (BRI) की वर्षों तक अनदेखी करने के बाद रूस ने अब इसे अपने यहां इजाजत दे दी है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पिछले महीने के एक बयान से भी इस ट्रेंड की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा, 'आज पश्चिम तानाशाह बन गया है, ऐसे में चीन के साथ हमारे आर्थिक रिश्ते तेजी से मजबूत होंगे। चीन की इंफॉर्मेशन और कम्युनिकेशन टेक्नॉलजी कहीं से पश्चिमी देशों से कमतर नहीं है। इस क्षेत्र में डील हुई तो रूस और चीन दोनों को फायदा होगा।'

कुछ जानकारों का मानना है कि व्लीदिमीर पूतिन को चीन सत्ता में बनाए रखना चाहता है। अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों की ओर से सोशल मीडिया जैसे माध्यमों के जरिये चीन की घरेलू राजनीति में दखल देने को लेकर भी शी चिनफिंग सरकार आशंकित है। 2011 में अरब देशों में हुए आंदोलन को वह भूला नहीं है, जिसमें सोशल मीडिया प्लैटफॉर्मों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। शिव नाडर यूनिवर्सिटी के जैबिन जैकब कहते हैं, 'यूक्रेन क्राइसिस के दौरान रूस को जिस तरह के सहयोग-सम्मान की जरूरत है, चीन उसे लेकर बहुत संवेदनशील है।' यह भी तय है कि इस सहयोग के बदले चीन पूरा राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करेगा। रूस भी उसकी बात मानने से पीछे नहीं हटेगा। भारत की फिक्र इसी बात ने बढ़ा दी है।

भारत, रूस और चीन ब्रिक्स और न्यू डिवेलपमेंट बैंक (एनडीबी) में बराबर के पार्टनर हैं, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) और एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) में भी वे बराबर के साझेदार हैं। इन मंचों पर भारत और चीन के बीच मतभेद दूर करने में रूसी प्रतिनिधिमंडलों का अहम रोल रहा है। सदस्य देशों के बीच आपसी विवादों से भी इन्हें दूर रखा गया है। अगर वे आपसी झगड़े को ऐसे मंचों पर उठाएंगे तो इन संस्थानों का वजूद मिट सकता है। यह बात खासतौर पर एससीओ पर लागू होती है, जहां चीन ने पाकिस्तान को बराबरी की हैसियत वाला सदस्य बनाने की कोशिश की।

इन संस्थानों में चीन की ओर से रूस पर मध्यस्थ ना बनने का दबाव बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, वह संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन में भी चीन का पिछलग्गू बन सकता है। अगर ऐसा हुआ तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन का प्रभाव बहुत बढ़ जाएगा और पश्चिमी देश उस पर अंकुश नहीं लगा पाएंगे। चीन पर आर्थिक प्रतिबंध का हथियार भी नहीं चलेगा क्योंकि वह अभी भी दुनिया की 'फैक्ट्री' बना हुआ है। चीन और रूस के संबंध इस दिशा में बढ़ते हैं तो इससे भारत भी पश्चिम के करीब जाने को मजबूर हो जाएगा। इससे भारत की गुटनिरपेक्षता पर असर पड़ेगा, जिसकी बदौलत वह पश्चिमी देशों से बराबरी के स्तर पर बातचीत करता आया है। लेकिन चीन और रूस के बीच भी कई मतभेद हैं। मिसाल के लिए, चीन की मुद्रा युआन का मुकाबला रूबल से हो रहा है। रूबल की वैल्यू बढ़ने के बाद रूस तेल और गैस खरीदारों से अपनी मुद्रा में भुगतान करने के लिए दबाव डाल रहा है। ऐसे में हो सकता है कि चीन भी रूस को युआन में भुगतान करने को मजबूर करे। चीन की नजर रूस के हथियार बाजारों पर भी है। इससे भी दोनों देशों में टकराव हो सकता है।

जब इंदिरा गांधी की जिद ने बनाई जीत की राह

जिस तरह से इस वक्त यूपी की आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए होने जा रहे उपचुनाव पर सबकी नजरें गड़ी हैं, कुछ ऐसी ही उत्सुकता 44 साल पहले भी आजमगढ़ को लेकर पूरे देश में देखने को मिली थी। उस वक्त भी आजमगढ़ लोकसभा सीट को लेकर ही उपचुनाव हो रहा था। वह साल 1978 था। इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस केंद्रीय सत्ता से बेदखल कर दी गई थी। यूपी में तो कांग्रेस के खिलाफ जनाक्रोश का आलम यह था कि राज्य की 85 सीटों (तब उत्तराखंड अलग राज्य नही बना था) में से एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में राम नरेश यादव ने कांग्रेस के चंद्रजीत यादव को हरा दिया था।

न जाने इंदिरा गांधी को क्या सूझी

लोकसभा चुनाव के बाद जब यूपी विधानसभा चुनाव हुए तो उसमें भी जनता पार्टी को बहुमत मिल गया। नतीजतन राम नरेश यादव राज्य के नए मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ा। उसी वजह से आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए के लिए उपचुनाव हुआ था। 1977 में मिली हार से बुरी तरह पस्त कांग्रेस ने पहले तो इस उपचुनाव से अपने को अलग करने फैसला कर लिया। पार्टी की तरफ से कहा गया कि उपचुनाव लड़ने के बजाय उसकी प्राथमिकता संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के जरिए जनविश्वास की बहाली करना है। लेकिन कुछ समय में ही उसका यह फैसला बदल गया। न जाने इंदिरा गांधी को क्या सूझी, उन्होंने उपचुनाव में पार्टी की तरफ से उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया। इसमें भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि उन्होंने उम्मीदवार घोषित किया मोहसिना किदवई को, जो यूपी के बाराबंकी जिले की रहने वाली हैं। उनकी गिनती उस वक्त इंदिरा गांधी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी के रूप में होती थी।

फिर शुरू हुई प्रतिष्ठा की लड़ाई

जाहिर सी बात है कि जो सीट राज्य के मुख्यमंत्री की रही हो, वह सत्तारूढ़ दल के लिए तो प्रतिष्ठापूर्ण हो ही जाती है। लेकिन यह सीट इसलिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई थी क्योंकि यह जनता पार्टी सरकार में गृह मंत्री चौधरी चरण सिंह के गृह प्रदेश का मामला था। रही-सही कसर इस बात से पूरी हो गई कि उन्होंने उस वक्त अपने चेले कहे जाने वाले राम बचन यादव को उम्मीदवार बना दिया। चूंकि केंद्र से लेकर राज्य तक में जनता पार्टी की सरकार थी, पहले यह माना जा रहा था कि कांग्रेस के न लड़ने से यह चुनाव के नाम पर महज एक औपचारिकता ही होगी, लेकिन इंदिरा गांधी ने न केवल मोहसिना किदवई को उम्मीदवार घोषित कर दिया, बल्कि चुनाव की कमान भी संभाल ली। चुनाव में मोहसिना किदवई और राम बचन यादव अपनी-अपनी पार्टियों के मोहरे भर बन गए थे, उपचुनाव की असल लड़ाई तो इंदिरा गांधी और चौधरी चरण सिंह के बीच की हो गई थी। चुनाव में इंदिरा गांधी के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं था, शायद यही वजह थी कि उन्होंने जनता पार्टी को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। कहते हैं, उस वक्त उन्होंने अपनी 'किचन कैबिनेट' के कुछ सहयोगियों से कहा था कि अगर वह उपचुनाव हार जाती हैं, तो भी जहां पार्टी पहुंच गई है, उससे और नीचे नहीं जा सकती। लेकिन अगर किसी भी सूरत में जीत की कहानी लिख गई तो फिर जनता पार्टी की सरकार पांच साल पूरे नहीं कर पाएगी।

सरकारी तंत्र के रवैये ने बदली हवा

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब चुनावी अभियान शुरू हुआ तो शुरुआती कुछ दिन तो कांग्रेस के लिए कोई बहुत बड़ा स्पेस बनता नहीं दिखा। लेकिन चरण सिंह थे, जो इंदिरा गांधी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त करने के मूड में नहीं थे। जानकार बताते हैं कि सरकारी मशीनरी के लिए चरण सिंह के जो ऑफ द रेकॉर्ड निर्देश थे, वह यही थे कि इंदिरा गांधी के लिए इतनी मुश्किल पैदा कर दो कि उनके लिए आजमगढ़ में प्रचार की गुंजाइश न बचे। जब केंद्रीय गृह मंत्री का ऐसा इशारा हो तो फिर कौन अफसर उन्हें खुश करने की रेस में पीछे रहना चाहेगा? फिर दौर शुरू हुआ सरकारी मशीनरी के हठ का। इंदिरा गांधी की सभा के लिए जहां भी अनुमति मांगी जाए, प्रशासन उसे खारिज कर दे। रहने के लिए गेस्ट हाउस की जब उन्होंने दरख्वास्त लगाई तो उसे भी खारिज कर दिया गया।

जीत ने लिख दी इंदिरा गांधी की वापसी की इबारत

यहीं से इंदिरा गांधी के लिए आजमगढ़ में सकारात्मक माहौल बना। इंदिरा गांधी तो ठहरी इंदिरा गांधी, उन्हें इसे भुना लेने में कामयाबी का रास्ता दिखने लगा। उन्हें जब गेस्ट हाउस में ठहरने की इजाजत नहीं मिली तो वह मंदिर में रहने पहुंच गईं। फिर क्या था, आजमगढ़ में इंदिरा गांधी की ही चर्चा शुरू हो गई। इसके साथ ही जनता पार्टी की जो हवा लोकसभा चुनाव के समय बनी थी, लोगों के मन में कांग्रेस के प्रति जो नाराजगी थी, वह कम होने लगी। इंदिरा ने अपनी आखिरी मीटिंग में बहुत ही भावनात्मक भाषण दिया। उन्होंने कहा था कि उनका मकसद चुनाव जीतना नहीं है। वह तो सिर्फ इतना चाहती हैं कि उनको लेकर आम लोगों में जो भी नाराजगी है, वह खत्म होनी चाहिए। नतीजा आया तो वह चौंकाने वाला था। मोहसिना किदवई ने राम बचन यादव को हरा दिया था। इसी जीत ने अगले चुनावों में इंदिरा गांधी की वापसी की इबारत लिख दी थी।

क्या महाराष्ट्र में आ रही कोरोना की चौथी लहर, 4 महीने बाद आए रेकॉर्ड 3,081 नए मामले

मुंबई: महाराष्ट्र में कोरोना वायरस का संक्रमण एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। महाराष्ट्र में शुक्रवार को पिछले करीब चार महीनों में Covid-19 के रेकॉर्ड 3,081 नए मामले सामने आए। हालांकि इस दौरान राहत की बात यह रही कि किसी मरीज की जान नहीं गई। महाराष्ट्र में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले अकेले राज्य की राजधानी मुंबई में आए हैं। मुंबई में 1,956 नए मामले सामने आए हैं। एक दिन पहले राज्य में 2813 नए मामले सामने आये थे और एक मरीज की मौत हो गई थी। महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 3081 नए मामले सामने आए, जबकि 1323 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसके साथ ही राज्य में कुल एक्टिव केस 13,329 हो गए। वहीं मुंबई में आज 1,956 नए कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। हालांकि पिछले 24 घंटों में 763

मरीज ठीक हुए। मुंबई में एक्टिव मामले अब तक 9,191 हैं।

एक दिन पहले आए थे कोविड-19 के 2,813 नए मामले

महाराष्ट्र में गुरुवार को कोविड-19 के 2,813 नए मामले आए थे। नए मामलों में से अकेले मुंबई में 1,702 से आए थे और राज्य में दर्ज एकमात्र मौत भी महानगर में ही हुई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 15 फरवरी को आए 2,831 मामलों के बाद एक दिन में महाराष्ट्र में सबसे अधिक संक्रमितों की संख्या गुरुवार को दर्ज की गई थी। इसका रेकॉर्ड शुक्रवार को टूट गया।

'टेस्टिंग, जीनोम सीक्वेंसिंग बढ़ाओ'

दो हफ्ते से संक्रमण बढ़ता देख केंद्र सरकार ने राज्यों को सतर्कता बढ़ाने के लिए कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खासतौर पर महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली और कर्नाटक को पांच स्टेप वाली रणनीति अपनाने को कहा है। इन राज्यों से टेस्टिंग बढ़ाने, ट्रैकिंग करने, इलाज, टीकाकरण और कोरोना नियमों का पालन कराने पर ध्यान देने को कहा गया है। सभी राज्यों से ऐसी जगहों की पहचान करने को कहा गया है, जहां ज्यादा केस आ रहे हैं। गुरुवार को स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को चिट्ठी लिखी। केंद्र ने सभी हेल्थ फैसिलिटीज में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (ILI) और SARI को भी मॉनिटर करने की नसीहत दी।

युवाओं को डोज पर फोकस, बूस्टर्स की गुजारिश

चौथी लहर के संकेतों के बीच सरकार 12-17 साल एजग्रुप में वैक्सीनेशन कवरेज बढ़ाने की रणनीतियां बना रही है। एक्सपर्ट कमिटी का फोकस वयस्कों के बीच प्रीकॉशन डोज की संख्या बढ़ाने पर है जो हाल के दिनों में खासा कम हो गई है। डेटा के अनुसार, 15-17 एजग्रुप का करीब 62% हिस्सा दोनों डोज पा चुका है। मगर 12-14 एजग्रुप वाले 7.11 करोड़ बच्चों में से केवल 26% को ही दोनों डोज लगी हैं। शुक्रवार सुबह तक केवल 3.80 करोड़ प्रीकॉशन डोज ही लगाई गई हैं।

सलमान खान की हत्या की साजिश! 4 लाख में खरीदी राइफल, धमकी भरा खत रखने वाले की हुई शिनाख्त

मुंबई: बॉलीवुड के दबंग सलमान खान धमकी मामले एक शूटर को मिली थी हत्या की सुपारी थी। एबीपी न्यूज़ के मुताबिक इस शूटर का नाम संपत नेहरा बताया जा रहा है। हत्या के लिए चार लाख रुपये में एक राइफल भी खरीदी गई थी। सलमान खान और उनके पिता सलीम खान (Salim Khan) को धमकी देने के मामले में बिश्नोई गैंग का ही हाथ है। राजस्थान (Rajasthan) के जालौर से तीन लोग मुंबई आए थे। जिन्होंने सलमान खान और उनके पिता सलीम खान के लिए धमकी भरा खत घर के पास छोड़ा था। इस मामले में मुंबई पुलिस ने 3 लोगों की शिनाख्त कर ली है। जिन्होंने इस खत को सलमान के बांद्रा स्थित घर के पास छोड़ा था। पुलिस को यह जानकारी तब मिली जब वह इस

मामले में सिद्धेश हीरामन कांबले उर्फ महाकाल से पूछताछ कर रहे थे। महाकाल भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक गुर्गा है। मुंबई पुलिस के मुताबिक महाकाल ने बताया कि बिश्नोई गैंग का एक गुर्गा विक्रम बरार यह धमकी भरा खत लेकर सलीम खान के घर के पास गया था। लारेंस बिश्नोई ने दिया भिजवाया था खत पुलिस के मुताबिक जेल में कैद लॉरेंस बिश्नोई ने यह खत सलमान खान और उनके पिता सलीम खान के नाम भेजा था। उसके गैंग के 3 लोग जालौर से मुंबई यह खत देने के लिए गए थे। बाद में इन तीनों ने महाकाल से मुलाकात की थी। पुलिस के मुताबिक हमने उस आदमी की पहचान कर ली है। जिसने यह खत पहुंचाया था, उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसकी शिनाख्त के बाद देश के अलग अलग शहरों में पुलिस की 6 टीमें भेजी गई हैं। दरअसल पुलिस ने कांबले से पूछा था कि रविवार को बेंच पर धमकी भरा खत किसने रखा था।

फ्रेंडशिप क्लब के चक्कर में 70 वर्षीय बुजुर्ग ने गंवाए 57 लाख रुपए

मुंबई। फ्रेंडशिप क्लब के चक्कर में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग ने साइबर ठगों के हाथ में फंसकर 57 लाख रुपए से ज्यादा गंवा दिए । गिरोह ने पहले बुजुर्ग को महिला के जरिए अश्लील बातचीत कर अपने जाल में फंसाया। इसके बाद गिरोह के ही एक सदस्य ने खुद को नागपुर पुलिस का अधिकारी बताकर बुजुर्ग से जबरन वसूली शुरू कर दी। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बुजुर्ग शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वे एक निजी कंपनी में काम करते थे और सेवानिवृत्त होने के बाद मुंबई में अकेले रहते हैं। 15 मार्च को उनके मोबाइल पर एसएमएस आया जिसमें फ्रेंडशिप क्लब की सदस्यता लेने पर आसपास के दोस्ती के इच्छुक लोगों से मिलाने की बात लिखी गई थी।

आरटीआई के जरिए जानकारी हासिल कर हफ्ता मांगनेवाला गिरफ्तार

मुंबई। आरटीआई के जरिए परियोजना से जुड़े कागजात हासिल कर उसकी शिकायत करने के बाद बिल्डर से 10 लाख रुपए हफ्ता मांगने वाले एक 72 वर्षीय आरोपी को ठाणे पुलिस के जबरन वसूली विरोधी पथक ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम मुकेश कनकिया है। आरोपी बिल्डर से 3 लाख 61 हजार रुपए ले चुका था इसके बावजूद उसकी मांग खत्म नहीं हुई और 3 लाख 11 हजार रुपए की दूसरी किश्त लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा गया। शिकायतकर्ता बिल्डर अपनी कंपनी विक्रांत एंटरप्राइजेज के जरिए ठाणे के चरई इलाके में स्थित एक हाउसिंग सोसायटी का पुनर्विकास कर रहा है। आरोपी कनकिया ने आरटीआई के जरिए साल 2017 से शुरू इस परियोजना से जुड़ी जानकारी हासिल की और फिर ठाणे महानगर पालिका में इसकी शिकायत कर दी।

महाराष्ट्र, हरियाणा में राज्यसभा चुनाव रद्द हों... ECI से BJP ने की गुहार, मतगणना में देरी

चंडीगढ़/मुंबई: महाराष्ट्र और हरियाणा में राज्यसभा चुनाव (Rajya Sabha elections)के लिए मतगणना शुक्रवार शाम को समाप्त हो गया। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (MVA) के तीन विधायकों और हरियाणा में कांग्रेस के दो विधायकों के वोटों को रद्द करने की मांग की है। बीजेपी का आरोप है कि इन विधायकों ने मतपत्र दिखाकर राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ की। ऐसे में निर्वाचन आयोग उनका मत रद्द करे। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने चुनाव आयोग से मुलाकात करने के बाद कहा कि हमने मांग की है कि मतदान में गोपनीयता के टूटे नियमों के आधार पर इस चुनाव को अमान्य घोषित किया जाए। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बताया कि महाराष्ट्र और हरियाणा में राज्य सभा चुनावों के संबंध में बीजेपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज(शुक्रवार देर शाम) ECI के साथ मुलाकात की। हमारी पार्टी ने विशिष्ट राज्यों में भी शिकायतें दर्ज़ कराई हैं। उधर, कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में चुनाव आयोग के कार्यालय पहुंचा। राज्यसभा चुनाव की मतगणना में देरी

महाराष्ट्र में राज्यसभा चुनाव के लिए मतगणना में देरी होगी। दरअसल महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के तीन विधायकों की ओर से डाले गए वोटों पर आपत्ति जताई है। बीजेपी ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया है। वहीं चुनाव आयोग में भी शिकायत की गई है। राज्य विधानमंडल के एक अधिकारी ने बताया कि मतगणना रोक दी गई है।

बीजेपी ने जताई आपत्ति

राज्य बीजेपी के एक नेता ने कहा कि कैबिनेट मंत्री जितेंद्र आव्हाड, यशोमती ठाकुर और शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने मतदान के लिए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। हमने चुनाव आयोग के समक्ष अपील की है कि उनके वोटों को अमान्य ठहराया जाए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि आव्हाड और ठाकुर ने अपने मतपत्रों को दिखाकर सौंप दिया। बीजेपी ने एमवीए के तीन विधायकों के मतपत्रों पर आपत्ति जताई है।

हरियाणा में बीजेपी की कांग्रेस के दो वोट निरस्त करने की मांग

उधर, भारतीय जनता पार्टी के नेता कृष्ण लाल पंवार हरियाणा से राज्यसभा में पहुंचने वाले हैं लेकिन राज्य से उच्च सदन की दूसरी सीट कांग्रेस के खाते में जाने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हरियाणा से राज्यसभा की दो सीट के लिए शुक्रवार को मतदान समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ भाजपा ने कांग्रेस विधायकों-किरण चौधरी और बी बी बत्रा के मतपत्रों को निरस्त करने की मांग की है। बीजेपी का कहना है कि दोनों कांग्रेस विधायकों ने कथित तौर पर अपने प्राथमिकता मतों को पार्टी एजेंट के अलावा अन्य कई लोगों को दिखाकर गोपनीयता का उल्लंघन किया। हरियाणा में 89 विधायकों ने किया मतदान

उधर, निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू मतदान से दूर रहे।

शैक्षिक संस्थानों को बढ़ावा देने को लेकर अल्लू अर्जुन पर शिकायत दर्ज

हैदराबाद। पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन पर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने एक शैक्षिक संस्थानों का प्रचार करने को लेकर आलोचना की है। सामाजिक कार्यकर्ता कोठा उपेंद्र रेड्डी ने दावा किया कि विशेष विज्ञापन, जिसमें अल्लू अर्जुन को चेहरे के रूप में दिखाया गया था, भ्रामक था और गलत जानकारी प्रदान करता था। सामाजिक कार्यकर्ता ने इस तरह के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। उन्होंने अल्लू अर्जुन के खिलाफ विज्ञापन में आने के लिए और श्री चैतन्य शैक्षिक संस्थानों के खिलाफ फर्जी जानकारी प्रदान करने के लिए अंबरपेट पुलिस में शिकायत दर्ज की।

निलंबित छात्राओं ने कक्षाओं में जाने के लिए हिजाब का त्याग किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के शिक्षण संस्थान में लंबे समय से हिजाब पहनने की जिद करने वाली छात्राओं ने अब हिजाब के बिना ही कक्षाओं में जाना शुरू कर दिया है। छात्राओं के इस कदम से कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग को राहत मिली है। सूत्रों ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है जो हिजाब पहनने पर जोर देने वाली अन्य छात्राओं को इसे छोड़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

दक्षिण कन्नड़ जिले के उप्पिनंगडी में सरकारी प्रथम श्रेणी कॉलेज से हिजाब पहनने पर जोर देने के लिए निलंबित की गई सात छात्राओं ने माफी पत्र जमा किया है और कक्षाओं में भाग लेना शुरू कर दिया

मातोश्री में कराएं हनुमान चालीसा, मैं कश्मीर जाकर पढूंगी... उद्धव के चैलेंज पर नवनीत राणा का पलटवार

मुंबई : हनुमान चालीसा का जिन्न एक बार फिर से महाराष्ट्र में बाहर आ गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को चुनौती दी की वह कश्मीर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। उनके चैलेंज को स्वीकार करके नवनीत राणा ने कहा कि वह उद्धव ठाकरे की चुनौती स्वीकार करती हैं और कश्मीर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करने को तैयार हैं। नवनीत राणा ने कहा कि कश्मीर भारत का अंग है और अगर सीएम उद्धव को लगता है कि वहां हनुमान चालीसा का पाठ करना मुश्किल है तो मैं वहां जरूर जाऊंगी और हनुमान चालीसा का पाठ करूंगी। 'संभाजी नगर पर क्यों नहीं की बात?' एक चैनल पर बात करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि सीएम ने औरंगाबाद में लोगों को संबोधित किया लेकिन

संभाजी नगर की बात नहीं की। संभाजी नगर के लोगों की परेशानियों पर बात नहीं की जो उन्हें करनी चाहिए थी। उद्धव ठाकरे दूध अभिषेक की बात कही कि कहीं और जाकर करें, हनुमान चालीसा कहीं और जाकर पढ़ें। महाराष्ट्र की बेटी, महाराष्ट्र में रहकर हनुमान चालीसा नहीं पढ़ सकती तो आप कैसे हिंदू हैं? आप कैसे हिंदुत्व को रिप्रजेंट करते हैं? 'बीजेपी की पीछ में उद्धव ने घोंपा खंजर' नवनीत राणा ने उद्धव को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब आप अपने दोस्त (बीजेपी) के नहीं हो सके, आपने बीजेपी के पीठ पर खंजर भोंका। पावर का मिस यूज उद्धव ठाकरे कर रहे हैं। वह अपने घर मातोश्री में हनुमान चालीसा का पाठ कराएं। जिस दिन वह मातोश्री में हनुमान चालीसा का पाठ कराएंगे मैं उसी दिन कश्मीर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करूंगी। उद्ध ने दिया था यह चैलेंज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कहा था कि जब गलती बीजेपी (BJP) ने की है तो देश इस पर माफी क्यों मांगे? हम इतने खोखले हिंदू समर्थक नहीं हैं कि हम आपसे हिंदुत्व सीखें। उद्धव ने किसी का भी नाम लिए बगैर कहा कि हिम्मत है तो कश्मीर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। हालांकि उनका इशारा नवनीत राणा और रवि राणा की तरफ था।

स्पेशल एनसीएमसी कार्ड से मुंबईकरों का सफर होगा स्मार्ट!

मुंबई, टिकट खिड़की पर होनेवाली भीड़ को कम करने के लिए रेलवे नए- नए प्रयोग कर रही है। स्मार्ट कार्ड, गो मुंबई कार्ड, सीवीएम कूपन आदि तकनीक से लोकल के यात्रियों को अब तक भीड़ से मुक्ति दिलाने की योजना पर काम हो चुका है लेकिन अब एक ही कार्ड से लोकल, मेट्रो, मेल एक्सप्रेस ट्रेन सहित अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवा का लाभ वैâसे उठाया जा सकता है, इस पर नया प्रयोग किया जा रहा है। मुंबई रेल विकास निगम एक कार्ड नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) की कार्ययोजना पर काम कर रही है। जिसके द्वारा यात्रियों को टिकट खरीदने में कोई परेशानी नहीं होगी। लोकल ट्रेन के अलावा परिवहन के साधनों से यात्रा करने पर भी इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। यह डेबिट कार्ड की तरह होगा।

जल्द ही मुंबईकरों को एक ही कार्ड से भुगतान कर ट्रेन व अन्य परिवहनों में यात्रा करने के अनुभव प्राप्त होने वाले हैं। महाराष्ट्र सरकार की ओर से भारत का पहला नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड लॉन्च किया गया था। अब इस कार्ड का उपयोग

लोकल और बाहरी ट्रेनों में टिकट खरीदने में किया जा सकेगा। इस बड़े फैसले से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

मिली जानकारी के अनुसार मुंबई रेल विकास निगम शहर के लोकल ट्रेन नेटवर्क के लिए एनसीएमसी कार्ड पेश करने के लिए एक निविदा प्रक्रिया के अंतिम चरण में है। कार्ड के लिए आवश्यक सिस्टम की स्थापना के लिए निविदाएं अगस्त में मंगाने की तैयारी है। बता दें कि उनकी योजना ऐसे सर्वर बनाने की है जो अन्य एनसीएमसी कार्डों को सिस्टम से जोड़ दे। ये हैं एनसीएमसी कार्ड के फायदे जानकारी के लिए बता दें कि कार्ड मार्च २०२३ में पेश किए जाने की उम्मीद है। एमआरवीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि बेस्ट कार्ड वाले यात्री भी लोकल ट्रेन टिकट खरीद सकेंगे। एनसीएमसी कार्ड के और भी लाभ मिलेंगे। यात्री एनसीएमसी कार्डों पर सीजन पास भी निकाल सकेंगे। यह एक डेबिट कार्ड की तरह काम करेगा, जिसका उपयोग देश के सभी सार्वजनिक परिवहन में किया जा सकता है और बसों, मेट्रो, रेलवे और अन्य सार्वजनिक परिवहन के टिकट के पैसे कार्ड वॉलेट से काट लिए जाएंगे। लोकल के लिए स्पेशल एनसीएमसी कार्ड बनाने की योजना

मिली जानकारी के अनुसार इस बीच, सिंगल, रिटर्न जर्नी और मासिक सीजन पास वाली लोकल ट्रेनों की मौजूदा टिकटिंग प्रणाली में जटिलता का हवाला देते हुए, एमआरवीसी ने एक अलग एनसीएमसी कार्ड रखने की योजना बनाई है, जिसको लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। यात्रियों को टिकट लेने में कोई असुविधा न हो इसके लिए मुंबई रेल विकास निगम ने एनसीएमसी कार्ड की योजना बनाई है।

पंकजा की कटिंग, सड़क पर उतरे समर्थक: जमकर लगे नारे, ताई नहीं तो भाजपा नहीं !

मुंबई, विधान परिषद चुनाव में पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे को भाजपा ने टिकट नहीं दिया, जिसके विरोध में कल परभणी, जलगांव, संभाजीनगर में पंकजा मुंडे समर्थक भाजपा कार्यकर्ताओं ने आंदोलन किया। 'ताई नहीं तो भाजपा नहीं' का नारा देते हुए तरबूज फोड़कर अनोखा आंदोलन किया। परभणी जिले के गंगाखेड में मुंडे समर्थकों ने 'ताई नहीं तो भाजपा नहीं' के पोस्टर लहराए, इसके साथ ही प्रतिपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ नारे लगाए और तरबूज तोड़कर आंदोलन किए। इसी प्रकार संभाजीनगर में मुंडे समर्थकों ने भाजपा कार्यालय को तोड़ने का प्रयास किया और फडणवीस के खिलाफ नारे लगाए। हालांकि पुलिस ने पंकजा मुंडे समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार जलगांव में भी मुंडे समर्थकों ने

पंकजा मुंडे को टिकट न दिए जाने के विरोध में आंदोलन किए और नारेबाजी की। मुंडे समर्थकों का कहना है कि भाजपा ने जिन लोगों को विधान परिषद का टिकट दिया है, उसमें श्रीकांत भारतीय तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में उनके ओएसडी थे, जबकि राम शिंदे और उमा खापरे ये दोनों दिवंगत गोपीनाथ मुंडे के समर्थक रहे हैं। जब ओएसडी और समर्थक को टिकट दिया जा सकता है, तो पंकजा मुंडे को टिकट क्यों नहीं दिया जा सकता है, ऐसा सवाल मुंडे समर्थक कर रहे हैं।

खडसे की तरह मुंडे पर भी अन्याय -भुजबल

भाजपा में जिस प्रकार से एकनाथ खडसे के साथ जो अन्याय हुआ था, वही अन्याय पंकजा मुंडे के साथ भी किया जा रहा है। यह बात राकांपा नेता छगन भुजबल ने मीडिया से बातचीत के दौरान कही। खडसे के साथ जो हुआ था। जिसका परिणाम लोगों और समाज पर हो रहा है। ऐसा सूचक वक्तव्य भुजबल ने किया।

पंकजा के साथ अन्याय -खडसे

भाजपा ने पंकजा मुंडे को टिकट न देकर उनके साथ अन्याय किया है। स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे ने भाजपा को खड़ा करने के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया।

अपने डेटा को सुरक्षित रखें

हिरल शाह

आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और नेटवर्क पर सबसे मूल्यवान चीज वह डेटा है जिसे आप वहां बनाते और संग्रहीत करते हैं। एप्लिकेशन और ऑपरेटिंग सिस्टम को हमेशा रीइंस्टॉल किया जा सकता है, लेकिन उपयोगकर्ता द्वारा बनाया गया डेटा अद्वितीय होता है। यदि यह गुम हो जाता है या प्राधिकरण के बिना देखा जाता है, तो परिणाम विनाशकारी हो सकता है।

कंपनी के नेटवर्क में ट्रेड सीक्रेट्स, कर्मचारियों या ग्राहकों के बारे में व्यक्तिगत जानकारी या संगठन के वित्तीय रिकॉर्ड वाले दस्तावेज़ हो सकते हैं। आपके फ़ोन, कंप्यूटर या अन्य व्यक्तिगत उपकरणों पर एप्लिकेशन आपके सामाजिक सुरक्षा नंबर, क्रेडिट कार्ड और बैंक खाते की जानकारी को उजागर कर सकते हैं। किसी भी मामले में, पहचान की चोरी एक वास्तविक संभावना है - एक जो हमारे डिजिटल युग में बहुत अधिक बार होती जा रही है। हालांकि महत्वपूर्ण, आपकी गोपनीयता और सुरक्षा की रक्षा करना एक जटिल या कठिन कार्य नहीं है। आइए कुछ सरल रणनीतियों को देखें जिन्हें आप अपने डेटा को भंग होने से बचाने के लिए रख सकते हैं।

1. सॉफ्टवेयर अपडेट

ऑपरेटिंग सिस्टम और ऐप डेवलपर अक्सर ऐसे अपडेट जारी करते हैं जो बग और कमजोरियों का पता चलने पर उन्हें पैच कर देते हैं। इसलिए अपने डेटा की सुरक्षा के लिए उन्हें समय पर इंस्टॉल करें

2. पासवर्ड सुरक्षा

मजबूत पासवर्ड बनाना और साइटों या उपकरणों पर कभी भी एक ही पासवर्ड का उपयोग नहीं करना डिजिटल आक्रमण से खुद को बचाने के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक है। अपने फोन पर, इसे एक मजबूत पासवर्ड और फिंगरप्रिंट या टच आईडी से लॉक करें।

3. लॉक स्क्रीन अधिसूचना का उपयोग करने से बचें

अपने स्मार्टफ़ोन पर लॉक-स्क्रीन ऐप नोटिफिकेशन को बंद करना व्यक्तिगत जानकारी को छिपाने का एक आसान तरीका है जो आपके फ़ोन की लॉक स्क्रीन पर पॉप अप हो सकती है। टेक्स्ट मैसेज और सोशल मीडिया नोटिफिकेशन को चुभती नजरों से दूर रखने के लिए ऐप नोटिफिकेशन को डिसेबल करें।

4. गोपनीय डेटा वाले अपने ऐप्स को लॉक करें

अपने फ़ोन पर लॉक सेट करने के बाद, एक कदम आगे बढ़ें और अपने वास्तविक ऐप्स लॉक करें। ऐप लॉकर आपके ऐप्स के लिए अतिरिक्त स्तर की सुरक्षा प्रदान करते हैं और लॉक-स्क्रीन सुविधा की तरह ही काम करते हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपके फ़ोन का उपयोग करता है या यदि आपका उपकरण चोरी हो जाता है, तो आपके ऐप्स की सामग्री पासकोड के पीछे बंद रहती है।

5. डेटा एन्क्रिप्शन

एन्क्रिप्शन को आपके डेटा को हाथापाई करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि कोई भी यह न समझ सके कि यह बिना कुंजी के क्या कहता है। यह न केवल आपके कंप्यूटर पर जानकारी की सुरक्षा के लिए उपयोगी है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि आपके फ़ोन पर टेक्स्ट संदेश और ईमेल चुभने वाली आँखों के अधीन नहीं हैं।

6. डेटा बैकअप

यदि आपके डिवाइस या नेटवर्क पर आपके द्वारा बनाए गए डेटा के साथ कुछ होता है, या आप इसे खो देते हैं, तो आप बिना किसी परेशानी के जल्दी से ठीक हो सकते हैं यदि इसका बैकअप लिया जाता है। बैकअप आपकी तस्वीरों, दस्तावेजों और अन्य डेटा को न केवल तकनीकी खराबी से बल्कि रैंसमवेयर और अन्य दुर्भावनापूर्ण हैकिंग से बचाने में मदद करते हैं। सर्वोत्तम डेटा सुरक्षा के लिए किसी ऑनलाइन सेवा, बाहरी हार्ड ड्राइव या दोनों का बैकअप लें।

याद रखें कि आपका डेटा आपके बहुत से वित्तीय लेनदेन और व्यक्तिगत रिकॉर्ड से जुड़ा हुआ है। हमने स्मार्ट फोन का उपयोग बहुत तेजी से करना सीख लिया है लेकिन अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल पहचान की रक्षा करना शुरू करें।

आयुर्वेद की सलाह: दुबले-पतले लोगों के लिए रामबाण हैं ये औषधियां, तेजी से वजन बढ़ाने में सहायक

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए वजन पर ध्यान देना बहुत आवश्यक हो जाता है। वजन का अधिक या कम होना, दोनों ही समस्या कारक हैं। अधिक वजन के कारण जहां हृदय रोग, डायबिटीज जैसी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है, वहीं जिन लोगों का वजन कम होता है, उनमें भी कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है। वजन कम होना आपके फिटनेस के साथ-साथ लुक को भी खराब कर देता है। सामान्यतौर पर शरीर को पर्याप्त मात्रा में आवश्यक पोषक तत्व न मिल पाने के कारण लोगों को वजन कम होने या दुबलेपन की समस्या हो सकती है।

यदि आप भी दुबलेपन के शिकार हैं और आसानी से कुछ उपाय करके वजन को बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में आयुर्वेद द्वारा सुझाई गई कुछ उपाय और जड़ी-बूटियों का सेवन आपकी मदद कर सकते हैं। कई औषधियों को तो अत्यंत प्रभावी ढंग से वजन बढ़ाने में मददगार माना जाता है। सबसे खास बात यह है आयुर्वेदिक औषधियों से किसी प्रकार के साइड-इफेक्ट्स का भी खतरा कम होता है। आइए जानते हैं कि किन उपायों और औषधियों को प्रयोग में लाकर आसानी से वजन बढ़ाने और आकर्षक लुक-फिटनेस पाने में मदद मिल सकती है?

अश्वगंधा का सेवन करें

प्राकृतिक रूप से वजन को बढ़ाने के लिए आयुर्वेद में कई सारी औषधियों का जिक्र मिलता है, जिसमें अस्वगंधा सबसे प्रभावी औषधि मानी जाती है। यह औषधि शरीर के फिटनेस के साथ वजन को भी तेजी से बढ़ाने में आपकी मदद कर सकती है। आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक एक गिलास गर्म दूध में 2 चम्मच अश्वगंधा पाउडर मिलाकर सेवन करने से आपको कुछ ही दिनों में इसका लाभ देखने को मिल सकता है। ध्यान रखें, हर किसी की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है, इसलिए अगर आप पहले से किसी रोग के शिकार हैं तो किसी भी औषधि के सेवन से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

सतावरी भी फायदेमंद

अश्वगंधा की ही तरह सतावरी भी उन अत्यंत फायदेमंद औषधियों में से एक है जो आसानी से वजन बढ़ाने में आपकी मदद कर सकती है। शरीर में द्रव संतुलन को बनाए रखने के साथ पाचन तंत्र को ठीक रखकर भोजन से पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाने में इस औषधि के लाभ के बारे में पता चलता है। इस प्रकार से यह वजन बढ़ाने में आपके लिए काफी फायदेमंद औषधि हो सकती है। आमतौर पर स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं को इस औषधि के सेवन की सलाह दी जाती है।

यष्टिमधु के लाभ

आयुर्वेद विशेषज्ञ कहते हैं यदि आपका पाचन और प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है तो यह वजन को बढ़ने से रोक सकती है, इसलिए सबसे पहले इन दोनों को ठीक करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने में यष्टिमधु का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। यह औषधि इम्युनिटी पावर को बढ़ाने के साथ पाचन तंत्र को ठीक रखने और शरीर के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए काफी कारगर मानी जाती है।

चार्ल्स पटेल

इन बातों का भी रखें ध्यान

विशेषज्ञों के मुताबिक आप वजन कम करना चाहते हैं, या बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, दोनों ही स्थितियों में दिनचर्या और जीवनशैली को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। विशेषरूप से रात को अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कम से कम आठ घंटे की उचित नींद जरूर लें। अच्छी नींद के लिए एक गिलास गाय के दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पिएं। इसके अलावा आहार में दालचीनी, लहसुन, अदरक, इलायची, लौंग और काली मिर्च जैसे मसालों को प्रयोग में लाना आपके पाचन और प्रतिरक्षा प्रणाली दोनों को स्वस्थ रखने में सहायक है, जो स्वाभाविक रूप से वजन को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

विशेषज्ञों ने चेताया: हल्दी में बढ़ रही है मिलावट, इन उपायों से मिनटों में कर सकते हैं शुद्धता की जांच

रंजनबेन मसोया

हल्दी, हम सभी के घरों में रोजाना प्रयोग में लाए जाने वाले मसालों में से एक है। सेहत के लिहाज से इसे काफी फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में मौजूद औषधीय गुण इसे सबसे शक्तिशाली मसालों में से एक बनाते हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने से लेकर, संक्रमण को कम करने, त्वचा की रंगत निखाने और कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में हल्दी के गुणकारी प्रभावों के बारे में पता चलता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में, मसालों के व्यावसायिक उत्पादन में मिलावट के मामलों में वृद्धि हुई है। यहां तक कि हल्दी, सरसों के तेल, घी जैसे दैनिक खाद्य सामग्री में भी मिलावट देखने को मिल रही है।

विशेषज्ञ कहते हैं, मसालों में मिलावट से न केवल उसकी शुध्दता खराब हो जाती है, साथ ही मिलावट वाली चीजों के सेवन से सेहत को कई तरह के नुकसान का भी जोखिम हो सकता है। कई रिपोर्ट्स में पता चलता है कि हल्दी में सिंथेटिक कलर, स्टार्च, चॉक और पीले साबुन आदि की भी मिलावट की जा रही है, जो पेट में पहुंचकर कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। आइए जानते हैं कि मिलावट की पहचान कैसे की जा सकती है? सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी लोगों को इस बारे में जरूर जानना चाहिए।

मिलावट से होने वाले नुकसान

विशेषज्ञ कहते हैं, किसी भी औषधि या मसाले से संपर्ण स्वास्थ्य लाभ तभी पाया जा सकता है जब वह शुद्ध हो। जिस तरह से मिलावट के लिए चॉक, पाउडर और रसायनों को प्रयोग में लाया जाता रहा है, ये काफी नुकसानदायक हो सकते हैं। मिलावट के लिए प्रयोग में लाई जानी वाली चीजें न सिर्फ औषधि की गुणवत्ता को कम कर देती हैं, साथ ही कुछ स्थितियों में रसायनिक प्रतिक्रिया करके शरीर को कई तरह के नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। इसलिए मसालों की शुध्दता की जांच करना आवश्यक हो जाता है।

कैसे जानें हल्दी शुद्ध है या नहीं?

विशेषज्ञ हल्दी की शुध्दता की जांच करने के लिए इसके कुछ आसान से उपायों के बारे में बताते हैं। इसके लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर को अपनी हथेली पर लेकर दूसरे हाथ के अंगूठे से 10-20 सेकेंड तक इसे रगड़ें। अगर हल्दी शुद्ध है, तो यह आपके हाथ पर पीले रंग का दाग छोड़ देगी। वहीं यदि इसमें मिलावट है तो पीला रंग काफी हल्का या न के बराबर हो सकता है। हल्दी की शुध्दता को जांचने के लिए इसे पानी के साथ भी टेस्ट किया जा सकता है।

पानी के साथ परीक्षण

एक और सरल परीक्षण के माध्यम से कुछ ही मिनटों में पता कर सकते हैं कि हल्दी शुद्ध है या नहीं? इसके लिए गर्म पानी में 1 चम्मच हल्दी मिलाएं और इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें। अगर हल्दी पाउडर बर्तन के नीचे बैठ जाए, तो हल्दी असली है, लेकिन अगर यह पानी के साथ मिल जाए और गहरे पीले रंग का हो जाए, तो ऐसी हल्दी को शुद्ध नहीं माना जाता है।

शुद्ध हल्दी के सेवन के लाभ

शुद्ध हल्दी का सेवन शरीर को कई प्रकार के लाभ प्रदान कर सकती है, विशेषरूप से इसमें पाया जाने वाला करक्यूमिन यौगिक हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने, संक्रमण से बचाने, अल्जाइमर और कैंसर के जोखिम को कम करने में आपके लिए सहायक है। हल्दी में एंटीइंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो अवसाद और गठिया के लक्षणों को कम करने में आपके लिए मददगार हैं।

बच्चों में मोटापे की बढ़ती समस्या, कहीं ऐसी गलतियां तो नहीं कर रहा आपका बच्चा? तुरंत करें सुधार

समय के साथ बच्चों में बढ़ते मोटापे की समस्या को स्वास्थ्य विशेषज्ञ बेहद गंभीर मानते हैं। बचपन के मोटापे को कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख कारक के तौर पर जाना जाता है। मोटापा से ग्रस्त बच्चों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाई कोलेस्ट्रॉल विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। यह स्थितियां सिर्फ शारीरिक ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को भी बढ़ा देती है। इसके कारण आत्मसम्मान में कमी और गंभीर स्थितियों में अवसाद तक की समस्या हो सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को बच्चों की सेहत पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं।

बचपन में मोटापा विकसित होने के कई कारण हो सकते हैं। जीवनशैली और खान-पान की गड़बड़ी को इसके प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है। अगर समय रहते मोटापे की समस्या को कंट्रोल न किया जाए तो कम उम्र में ही यह कई तरह की बीमारियों के विकसित होने का जोखिम बढ़ा सकता है।

बच्चों में मोटापा बढ़ाने वाले कारकों को समझते हुए उससे बचाव करते रहना आवश्यक होता है। यह बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि किन कारणों से बच्चों में मोटापे का खतरा विकसित हो सकता है?

आहार संबंधित समस्याएं

आहार में गड़बड़ी को स्वास्थ्य विशेषज्ञ, मोटापे के सबसे प्रमुख कारकों में से एक मानते हैं। हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ जैसे फास्ट फूड, बेक्ड खाद्य, कैंडीज आदि के अधिक सेवन से आपके बच्चे का वजन बढ़ सकता है। जो बच्चे मीठी चीजों का सेवन अधिक करते हैं, उनमें भी वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए उनके आहार को लेकर विशेष सतर्कता बरतना बहुत आवश्यक हो जाता है। शारीरिक निष्क्रियता

जो बच्चे ज्यादा व्यायाम नहीं करते हैं, उनमें भी वजन बढ़ने की आशंका अधिक होती है। शारीरिक निष्क्रियता के कारण सही मात्रा में कैलोरी बर्न नहीं हो पाती है। गतिहीन जीवनशैली की आदतें जैसे मोबाइल फोन्स पर बहुत अधिक समय व्यतीत करना, टेलीविजन देखना या वीडियो गेम खेलना, घर में ही रहने की आदत बच्चों के लिए समस्याओं को बढ़ा सकती है। अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के साथ शारीरिक निष्क्रियता को बड़े खतरे को रूप में देखा जाता है।

बढ़ा हुआ स्क्रीन टाइम

जिन बच्चों का अधिकतर समय मोबाइल-टीवी जैसी स्क्रीन के साथ बीतता है, उनमें भी मोटापा बढ़ने का खतरा अधिक देखा जाता है। बढ़ा हुआ स्क्रीन टाइम नींद विकारों का कारण बनता है जिसके कारण शरीर में हार्मोनल असंतुलन हो सकता है, जो मोटापे की समस्या को बढ़ाने वाला माना जाता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह आपके अधिकांश कार्य पूरे होने की स्थिति बनेगी। नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ करेंगे। जॉब में भी पिछले सप्ताहों के मुकाबले राहत रहेगी। इससे आपके आत्मविश्वास और ऊर्जा में बढ़ोतरी होगी। पारिवारिक स्थिति इस सप्ताह अच्छी रहेगी। किसी महत्वपूर्ण काम में परिजनों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ : अपने कार्यों को पूरा करने के लिए श्रम की आवश्यकता अधिक रहेगी। भागदौड़ भी ज्यादा करना पड़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से थोड़ी परेशानी हो सकती है। अधीनस्थों का सहयोग कम मिलेगा। बिजनेस से जुड़े लोगों को उतार-चढ़ाव देखना होंगे। नया काम शुरू करना चाहते हैं तो कर सकते हैं लेकिन मनमुताबिक सफलता अभी नहीं मिलेगी।

मिथुन : पुराने पैसों के लौटने की स्थिति बनेगी। प्रॉपर्टी संबंधी कार्य बनने लगेंगे। पैतृक संपत्ति का बंटवारा होगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा, लेकिन भाई-बंधुओं से अनबन रहेगी। आर्थिक मामलों में किसी पर भरोसा ना करें। निवेश करना चाहते हैं तो कर सकते हैं, लेकिन पहले सारे पक्ष अच्छी तरह समझ लें।

कर्क : इस सप्ताह के सितारे आपको कोई अच्छी खबर देने वाले हैं, जो आपके भविष्य निर्माण में सहायक होगी। आपके कार्य को गति मिलेगी और जो चाहेंगे वो करने में कामयाब होंगे बशर्ते खुद पर भरोसा रखें। मानसिक शांति होने से आप अपने काम पर फोकस कर पाएंगे। यह सप्ताह आर्थिक सफलताएं देने वाला साबित होगा।

सिंह : आपको पारिवारिक समागम में शामिल होने का अवसर आएगा। किसी विशेष शुभ कार्य में जाने का अवसर आएगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य इस सप्ताह बेहतर रहेगा। पुराने रोग भी दूर हो जाएंगे। आपके अटके हुए कार्य हो जाएंगे। खासकर कहीं निवेश या प्रॉपर्टी संबंधी कार्य सुगमता से निपट जाएंगे।

कन्या : आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार आएगा। जो परेशानियां आपने झेली हैं वे दूर होंगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। धन का आगमन सुगमता से होगा। नए स्टार्टअप के लिए सप्ताह शुभ है। जल्द काम शुरू करें। नौकरीपेशा लोगों को काम की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन काम की सराहना भी मिलेगी।

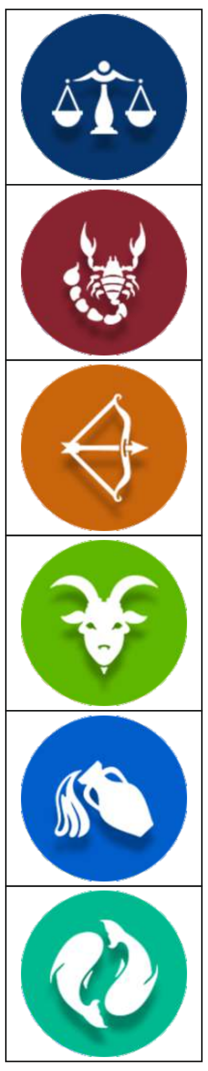

तुला : आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी विशेष प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होने पर मन प्रसन्न रहेगा। भोग विलास के कार्यों में वक्त बीतेगा। किसी भी काम को करने के लिए अधिक मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्य-व्यवसाय में सफलता और तरक्की मिलेगी। धन का आगमन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक : आपको वाहन मशीनरी का प्रयोग करते वक्त सावधानी रखना है, किसी प्रकार की चोट लगने की आशंका है। नेत्र रोग परेशान करेंगे और इस सप्ताह बीमारियों पर खर्च भी अधिक करना होगा। इससे मानसिक परेशानी महसूस होगी। कार्य स्थल पर आपके धैर्य की परीक्षा होगी। अधीनस्थ आपकी बात नहीं मानेंगे।

धनु : यह पूरा सप्ताह संकटपूर्ण बीतने के आसार नजर आ रहे हैं। आपके काम चलते-चलते अटक जाएंगे। कोई भी काम पूरा नहीं होगा। इसलिए बेहतर होगा कि इस सप्ताह कोई नया काम शुरू करने से बचें। जो जैसा चल रहा है उसे चलने दें। नौकरी में भी धैर्य से काम लें, वरना स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर : आपके रूके हुए कार्यों को इस सप्ताह गति मिलेगी। धन का आगमन अच्छा होगा। निवेश से लाभ होगा और प्रॉपर्टी के काम होंगे। पारिवारिक स्थिति सुखद रहेगी और सभी का सहयोग मिलेगा। कार्य व्यवसाय के लिहाज से सप्ताह शुभ है। कोई नया काम करना चाहें तो कर सकते हैं। साझेदारी में किए गए काम से लाभ मिलेगा।

कुंभ : आपके लिए कुछ नई संभावनाएं, नए अवसर सामने आने वाले हैं। खासकर कुछ ऐसे काम होंगे जिनकी आप बरसों से प्रतीक्षा कर रहे हैं। अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। कार्य-व्यवसाय की सारी बाधाएं दूर हो जाएगी। घर परिवार में नया वाहन संपत्ति आएंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

मीन : इस सप्ताह किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी जो आपके भविष्य में काम आएगी। आर्थिक मोर्चे पर सफलता पाएंगे। पुराना फंसा हुआ पैसा मिलने के चांस हैं। किसी कार्य व्यवसाय में नया निवेश करेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य को लेकर जो परेशानी चल रही थी वह दूर हो जाएगी।

पतिः लॉकडाउन में तुमने क्या खोया और क्या पाया?...पत्नीः कामवाली खोई और कामवाला पाया।

कैसा समय आ गया है जहां एक मुलाकात में ही शादी फिक्स हो जाती है लेकिन......2-3 राउंड इंटरव्यू देने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती।

जिसने गाड़ी खरीदी है, वह पेट्रोल भी खरीद लेगा......परेशान वे हैं जिन्हें गाड़ी दहेज में मिली है।

शानदार केक काटकर ऐक्ट्रेस शालिनी सिंह का भव्य बर्थडे सेलेब्रेशन मुम्बई में मनाया गया

मॉडल व ऐक्ट्रेस शालिनी सिंह का भव्य बर्थडे सेलेब्रेशन मुम्बई के जुहू स्थित मिलेनियम क्लब में मनाया गया तो यहां उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के लिए बॉलीवुड से कई मेहमान आए। इस अवसर पर शालिनी सिंह काफी खुश, उत्साहित नजर आ रही थीं। इस शुभ अवसर पर एक शानदार केक काटकर उनके जन्मदिन का जश्न मनाया गया। शालिनी सिंह ने अपने हाथों से सभी मेहमानों दोस्तों को केक खिलाया। यहां हाज़िर हुए सभी लोगों ने शालिनी सिंह की ख़ूबसूरती और उनके विनम्र स्वभाव की प्रशंसा की। यहां आए कुछ खास मेहमानों के नाम उल्लेखनीय हैं। शालिनी सिंह एक आकर्षक ऑउटफिट में हद से ज्यादा हसीन लग रही थीं। उनके कॉस्ट्यूम और उनके स्टाइल में एक स्वैग था जो लोगों को प्रभावित कर रहा था, ख़ास बात ये भी है की शालिनी सिंह The story of kohl का डिजाइन किया हुवा ड्रेस पहनी थी। शालिनी सिंह ने यहां आए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि मुझे बर्थडे पे विश करने वाले मेरे सभी फैन्स, दोस्तों, चाहने वालों का दिल से धन्यवाद। सोशल मीडिया के जरिये, फोन करके, मैसेज करके मुझे बहुत सारे लोगों की शुभकामनाएं मिलीं, इतना सारा प्यार पाकर मैं तो काफी खुश हूं। मेरे फैन्स ने मेरा दिन और भी खास बना दिया। यह बर्थडे मेरे लिए सबसे स्पेशल और यादगार रहा।

आपको बता दें कि शालिनी सिंह कमाल की ऐक्ट्रेस हैं उनका लुक तो काफी अट्रैक्टिव है ही उनके अंदर एक्टिंग की क्षमता भी भरपूर है। वह हर प्रकार के चैलेंजिंग किरदार करने को पूरी तरह तैयार हैं। उनमें एक आत्मविश्वास झलकता है। उनकी आँखों की कशिश और जुल्फों का अंदाज़ दीवाना बनाने वाला है।

सिनेबस्टर फिल्म्स एंड टीवी अवाड्र्स 2022 की ट्रॉफी लॉन्च पर आनंदजी शाह, प्रेम चोपड़ा, अब्बास-मस्तान, सुमन तलवार, उदित नारायण, बिस्वजीत, ललित पंडित, रणजीत, शक्ति कपूर, धीरज कुमार, बी. सुभाष ने की हौसलाहफजाई!

सिने बस्टर मैगज़ीन के ६ साल पूरे होने के शुभ अवसर पर मुम्बई के जे डब्ल्यू मेरिएट होटल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सिनेबस्टर सिने अवार्ड्स (फिल्म एंड टीवी) २०२२ की सोने और हीरे से जड़ित ट्रॉफी 'प्रिंसेस डेलिशिया' द्वारा अन्विल की गई। इस पार्टी के होस्ट मिस्टर रॉनी रोड्रिग्स, ओनर सिने बस्टर मैगजीन प्राइवेट लिमिटेड अंडर द बैनर ऑफ पर्ल ग्रुप ऑफ कम्पनीज़, थे। यहां रॉनी रोड्रिग्स की माता जी का जन्मदिन भी मनाया गया। उनके जुडवा बच्चे चार्ल्स और कॅंडेन का भी बर्थडे मनाया गया। यह सितारों से भरी एक सुहानी शाम रही, जहां बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियां मौजूद रहीं। यूएई के रसल ख़ैमह में १८ सितंबर को यह अवार्ड फंक्शन होगा। इस अद्भुत ट्रॉफी की अन्विल के अवसर पर डायरेक्टर अब्बास मस्तान, प्रेम चोपड़ा, उदित नारायण, ललित पंडित, ऋतुपर्णो सेन गुप्ता, विश्वजीत चटर्जी, शक्ति कपूर, बी सुभाष, दिलीप सेन, कल्याणजी आनंद जी जोड़ी के आनंद जी शाह, धीरज कुमार, अनुप्रिया लक्ष्मी कटोच, रणजीत, जिया मानेक, सुमन तलवार, सुजॉय मुखर्जी, उदित नारायण, बी सुभाष, ललित पंडित, अलका भटनागर, आरती नागपाल, अरुण बख्शी, किशोरी शहाणे, बॉबी वत्स, निखिल कामत, सन्दीप सोपारकर, अली खान, सुरेंद्र पाल, आरके मुकेश चौकसी, वंसत भंडारी, राजू टैंक, लीना कपूर इत्यादि मौजूद थे, सभी ने इस ट्रॉफी की तारीफ की और अवार्ड फंक्शन के लिए रॉनी रोड्रिग्स को शुभकामनाएं दीं। इस ट्रॉफी की खास बात यह है कि विश्व सिनेमा के इतिहास में पहली बार किसी ट्रॉफी को सोने और हीरे से तैयार किया गया है जो विजेताओं को प्रस्तुत की जाएगी। रॉनी रोड्रिग्स का कहना है कि मनोरंजन इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए कलाकारों, निर्देशक, संगीतकारों, गायकों, प्रोडक्शन हाउस को सम्मानित करने के लिए इस अवार्ड शो को आयोजित किया जा रहा है। बॉलीवुड की ७० से अधिक लिजेंड्री हस्तियों को यह अवार्ड दिया जाएगा। देश के बाहर इस तरह के मेगा इवेंट के आयोजन के पीछे का विचार भारतीय सिनेमा को बढ़ावा देना है। सिने बस्टर मैगजीन प्राइवेट लिमिटेड के ओनर मिस्टर रॉनी रोड्रिग्स ने कहा कि पिछले 6 वर्षों से हमारी मैगज़ीन के पाठकों द्वारा हमें जो रेस्पॉन्स मिल रहा है वो कमाल का है।

हमने मैगज़ीन की छठी सालगिरह के अवसर पर सिने बस्टर सिने अवार्ड्स 2022 की ट्रॉफी को अन्विल किया। विश्व सिनेमा के इतिहास में यह पहली बार होने जा रहा है कि इस तरह का कोई अवार्ड फंक्शन होगा जहां असली सोने और हीरे से जड़ित ट्रॉफी विजेताओं को प्रदान की जाएगी। हमारी पूरी टीम इस अवार्ड फंक्शन को लेकर उत्साहित है। यूएई के रसल ख़ैमह में १८ सितंबर को 'सिनेबस्टर फिल्म्स एंड टीवी अवार्ड्स २०२२' यह अवार्ड फंक्शन होगा।

नए लोकायुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में: सीएम बसवराज बोम्मई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को कहा कि राज्य के लिए नए लोकायुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इसे जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने संकेत दिया था कि लोकायुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया पर राज्य सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है। बोम्मई ने एक सवाल के जवाब में मैसूर में संवाददाताओं से कहा, मेरे हिसाब से (लोकायुक्त की नियुक्ति की) प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इसे जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसमें ज्यादा दिन नहीं लगेंगे। मुख्य न्यायाधीश ऋतु राज अवस्थी उस पैनल का हिस्सा हैं जो लोकायुक्त की नियुक्ति करता है। इस पैनल में मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति और दोनों सदनों के विपक्ष के नेता भी शामिल होते हैं। न्यायमूर्ति राज ने लोकायुक्त की जल्द से जल्द नियुक्ति का अनुरोध करने वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई के दौरान संकेत दिया था कि नियुक्ति की प्रक्रिया पर राज्य सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है। वकील उमापति एस. द्वारा दायर याचिका में राज्य को लोकायुक्त की शीघ्र नियुक्ति का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है और कहा गया है कि यह पद जनवरी 2022 से रिक्त है। न्यायमूर्ति पी विश्वनाथ शेट्टी ने पांच साल की सेवा के बाद कर्नाटक लोकायुक्त के प्रमुख के पद से जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली अदालत की खंडपीठ मामले में आगे की सुनवाई 10 दिन बाद करेगी। अदालत ने कहा कि यह मामला विचाराधीन है, इसलिए जनहित याचिका का निपटारा किया जा सकता है, लेकिन याचिकाकर्ता-वकील ने नियुक्ति होने तक इस याचिका को लंबित रखे जाने का अनुरोध किया और ऐसे कथित मामलों का हवाला दिया, जब अदालत के आदेशों का सरकार ने पालन नहीं किया है।

सीजीएसटी राजकोट का अब तक का सबसे बड़ा पौधारोपण कार्यक्रम

सीजीएसटी राजकोट ने अतिरिक्त आयुक्त मुकेश कुमारी के नेतृत्व में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में मेगा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके तहत लगभग 150 पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण का प्रबन्ध किया गाय। इसके अभियान में 100 पौधे आरएमपी प्लॉट, 50 पौधे 'समरस हॉस्टल' में लगाए गए। अभियान में नीम, सीताफल, आसोपालाव, खाती अंबि, करनज, बहेड़ा आदि पौधे लगाए गए। सीजीएसटी राजकोट का ये अब तक का सबसे बड़ा पौधारोपण कार्यक्रम था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के महानायक: रंजीत कुमार झा

जनता दल (यू) के प्रदेश सचिव रंजीत कुमार झा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इन्वेस्टर्स मीट-सह-बिहार टेक्सटाईल एवं लेदर पॉलिसी, 2022 के लॉन्च पर साधुवाद दिया है तथा कहा है कि बिहार के सकारात्मक उद्योगीकरण के लिए यह पॉलिसी एक मील का पत्थर साबित होगी। झा ने कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि हमारे नेता नीतीश कुमार जी के जन हितैषी एवं दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार लगातार धारणीय विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के माध्यम से राज्य सरकार का प्रयास होगा कि बिहार को निवेशकों के लिए वस्त्र एवं चर्म उद्योग में बेहतर अवसरों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। इस पॉलिसी के मुख्य उद्देश्य बिहार को इस क्षेत्र के घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के प्रमुख संभावित केंद्र के रूप में विकसित करना, कपड़ा और चमड़ा व्यवसाय शुरू करने वाले उद्यमियों के लिए कई प्रकार के प्रोत्साहन देना है, जो अभूतपूर्व होगा। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार से इस पॉलिसी में बिहार टेक्सटाइल और लेदर उद्योग के क्षेत्र में निवेश करने वाले निवेशकों को 80 लाख प्रति वर्ष तक विद्युत शुल्क अनुदान दिए जाने की बात कही गयी है, साथ ही करीब 10 करोड़ तक की पूंजी निवेश अनुदान के तहत देने का प्रावधान दिया गया है, यह स्वाभाविक रूप से बड़े निवेशकों का रुझान बढ़ेगा तथा बिहार में उद्यमिता को अधिकाधिक बढ़ावा मिलेगा। झा ने अंत में यह भी कहा कि बिहार की आबादी से जो एक बड़ा हिस्सा काम की तलाश में पलायन करता रहा है, उसे इस नयी उद्योगिक नीति के परिणामस्वरूप रोज़गार सृजन का पूर्ण लाभ मिलेगा। झा ने कहा कि असल में नेता नीतीश कुमार बिहार के तीव्र विकास के महानायक हैं।

बिहार चुनाव: भाजपा ने दो उम्मीदवारों की घोषणा की

पटना। भाजपा ने बिहार विधान परिषद की सात सीटों पर हो रहे द्विवार्षिक चुनाव के लिए बुधवार को अपने दो उम्मीदवारों की घोषणा की। बिहार प्रदेश भाजपा मुख्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पार्टी ने हरि सहनी जी एवं अनिल शर्मा जी को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। बिहार में भाजपा के साथ सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने इस चुनाव के लिए मंगलवार को अफाक अहमद और रवींद्र कुमार सिंह को अपना प्रत्याशी बनाने की घोषणा की थी। पहले कहा जा रहा था कि भाजपा बिहार विधानसभा में जदयू के मुकाबले अधिक सीटें होने के मद्देनजर तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सरकार से पूछा, आप गोशालाएं कब शुरू कर रहे हैं?

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से सवाल किया कि वह गोशालाओं का संचालन कब से शुरू करेगी। वहीं, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि राज्य में आवारा पशुओं की देखभाल के लिए एक अगस्त से पहले 15 गोशालाएं स्थापित की जाएंगी। राज्य सरकार ने मंगलवार को उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति (एचसीएलएससी) द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान अदालत को इस बारे में सूचित किया। मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने इस प्रक्रिया में देरी को लेकर राज्य सरकार से पूछा कि क्या गोशालाएं खोलना सरकार की पंचवर्षीय योजना है। इसके साथ ही राज्य सरकार को यह बताने का निर्देश दिया कि वह कब से आवारा पशुओं के लिए गोशालाओं का संचालन शुरू करेगी। सरकारी वकील ने अदालत को सूचित किया कि बेंगलुरु जहां परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरण में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था, के अलावा कर्नाटक के 29 अन्य जिलों में गोशालाएं खोली जा रही हैं। इनके क्रियान्वयन की निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। अदालत को बताया गया कि आगामी गोशालाओं में मवेशियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए कुछ जगहों पर बोरवेल चालू कर दिए गए हैं। अदालत को बताया गया कि पांच गोशालाएं 15 जुलाई से पहले और 10 अन्य एक अगस्त से चालू हो जाएंगी। अदालत ने कहा कि हर तालुका और गांव के स्तर पर एक गोशाला जरूरी है। यदि एक जिले में केवल एक गोशाला संचालित की जाती है, तो उनमें आवारा पशुओं की संख्या सीमित हो जाएगी।

पुणे में विस्फोट के दौरान पांच घायल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक कुएं की खुदाई के दौरान किए गए विस्फोट में पांच लोग घायल हो गए और कुछ घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट सोमवार शाम शहर के खराडी इलाके में एक नदी के पास किया गया। चंदननगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, एक नदी के पास कुआं खोदा जा रहा था एक नियंत्रित विस्फोट की मदद से खुदाई की गई थी। जिससे वे क्षतिग्रस्त हो गईं। विस्फोट के कारण पांच लोग मामूली रूप से घायल हो गए। विस्फोट की गतिविधि को अंजाम देने वाले अजय दसारी के खिलाफ भादंवि और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

जन-प्रतिनिधि और शासकीय अधिकारी-कर्मचारी समर्पण भाव से जुड़ें : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन में जन-प्रतिनिधि और शासकीय अधिकारी कर्मचारी समर्पण और प्रतिबद्धिता के साथ जुड़ें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यों में विलम्ब न हो। गरीबी और पलायन अलीराजपुर जिले की मुख्य समस्याएं हैं। राज्य शासन द्वारा जनता का जीवन-स्तर सुधारने के लिए आवश्यक सभी पक्षों से जुड़ी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसमें जनता की भागीदारी को जोड़ कर योजनाओं को अधिक परिणाममूलक बनाया जा सकता है। स्कूल चलें अभियान को जन-अभियान बनाना आवश्यक है। जो योजनाएं और विकास गतिविधियां पहले से संचालित हो रही हैं, वे आदर्श आचार संहिता से प्रभावित नहीं होंगी। इनका निरंतर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विकासखंडों में बेहतर कार्य के लिए विभिन्न सूचकांकों के आधार पर जिले में विकासखंडों की रैंकिंग की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री प्रातः 6:30 पर निवास कार्यालय से अलीराजपुर जिले की वर्चुअली समीक्षा कर रहे थे। अलीराजपुर जिले के प्रभारी और औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह तथा जिले के समस्त अधिकारी अलीराजपुर से बैठक में वर्चुअली सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने अलीराजपुर के 5 कन्या शिक्षा परिसर के निर्माण में हुए विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त की। वर्ष 2016 में स्वीकृत कार्य वर्ष 2022 तक पूर्ण न होना कष्टप्रद है। मुख्यमंत्री ने तत्काल प्रमुख सचिव लोक निर्माण नीरज मंडलोई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ने के निर्देश दिए।

जांच

मुख्यमंत्री विजयन और सत्ताधारी एलडीएफ ने आरोपों को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया

जलील ने विजयन के खिलाफ सुरेश के आरोपों की पुलिस जांच की मांग की

केरल के विधायक एवं पूर्व मंत्री के टी जलील ने बुधवार को पुलिस से सोना तस्करी मामले में मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश द्वारा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए नए आरोपों के पीछे की कथित साजिश की जांच करने का अनुरोध किया। वहीं विपक्षी कांग्रेस ने जांच सही दिशा में नहीं होने पर विधिक कार्वाई की चेतावनी दी। पूर्व में पिनराई विजयन मंत्रिमंडल में उच्च शिक्षा विभाग संभाल चुके जलील मुख्यमंत्री और उनके परिवार के अलावा उन अन्य हाई प्रोफाइल व्यक्तियों में शामिल हैं जिनके खिलाफ सुरेश ने मंगलवार को गंभीर आरोप लगाए थे। यहां छावनी पुलिस थाने में सुरेश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद, थवनूर विधायक ने कहा कि मुख्य आरोपी झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगा रही है और एक अंतराल के बाद अब आरोप लगाए जाने के उसके कदम के पीछे स्पष्ट साजिश है। उन्होंने थाने के बाहर संवाददाताओं से कहा कि उसका प्रयास दुष्प्रचार के माध्यम से वाम सरकार को अस्थिर करने का है और यह पहली बार नहीं है कि वह इस तरह के आरोप लगा रही है। जलील ने दावा किया, वह डेढ़ साल से जेल में थी। यहां तक कि मामले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों को भी अब तक कुछ नहीं मिला। सुरेश ने कोच्चि में एक मजिस्ट्रेट अदालत के सामने पेश होने के बाद मंगलवार को कहा कि उसने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत एक बयान दिया है, जिसमें तस्करी गतिविधियों में मुख्यमंत्री, उनके परिवार के कुछ सदस्यों और शीर्ष नौकरशाहों की भूमिका का वर्णन किया गया है। आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए मुख्यमंत्री विजयन और सत्ताधारी एलडीएफ ने आरोपों को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री विजयन को पूर्ण समर्थन देते हुए, माकपा के वरिष्ठ नेता एवं एलडीएफ संयोजक ई पी जयराजन ने आज कहा कि आरोप जानबूझकर गढ़े गए हैं भाजपा की ओर इशारा करते हुए राज्य सरकार से मुख्य आरोपी के खुलासे के पीछे की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए व्यापक जांच शुरू करने का आग्रह किया। जयराजन ने आरोपों के मद्देनजर मुख्यमंत्री विजयन के इस्तीफे की विपक्ष की मांग को भी खारिज कर दिया। उन्होंने सवाल किया, किस लिए इस्तीफा? कोई जानबूझकर मुख्यमंत्री की छवि खराब करने और उनकी लोकप्रियता को धूमिल करने के लिए कहानियां बना रहा है। क्या आपको लगता है कि अगर कोई कुछ कहता है तो एलडीएफ धाराशाई हो जाएगा? उनके सुर में सुर मिलाते हुए भाकपा प्रदेश सचिव के. राजेंद्रन ने कहा कि वह और उनकी पार्टी मुख्यमंत्री विजयन और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, एनआईए ने डेढ़ साल तक जांच की है। बताया कि मीडिया के अलावा और कौन एक आरोपी द्वारा लगाए गए आरोपों को महत्व देगा? यदि उसके पास कोई सबूत हैतो वह उसे प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने सवाल किया कि केंद्रीय एजेंसियों ने जांच के दौरान मुख्यमंत्री के खिलाफ सबूतों के साथ सुरेश द्वारा दिए गए बयान की जांच क्यों नहीं की।

सीएम शिवराज से कमलेश पटेल ने की भेंट

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से हार्टफुलनेस संस्थान के अध्यक्ष दाजी कमलेश पटेल जी ने निवास कार्यालय में भेंट की। दाजी सहज मार्ग परम्परा के चतुर्थ गुरू और हार्टफुलनेस संस्थान के वैश्विक मार्गदर्शक तथा अध्यक्ष हैं। संस्थान योग गतिविधियां प्राकृतिक स्वास्थ्य चिकित्सा और ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति से ध्यान का अभ्यास करने से अल्प समय में ही आत्मिक शांति और प्रसन्नता का अनुभव होता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दाजी के मार्गदर्शन में इस ध्यान पद्धति के अनुसार ध्यान किया। संस्थान द्वारा हरीतिमा विकास कार्यक्रम, मृदा एवं जल-संरक्षण, सौर ऊर्जा विकास और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा से संबंधित गतिविधियां विश्व के अनेक देशों में की जा रही हैं। संस्थान संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर भी कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संस्थान द्वारा बच्चों के बौद्धिक विकास, उनकी ग्रहणशीलता एवं उन्नत चेतना के विकास के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि प्रदेश की कुछ शालाओं में यह कार्यक्रम संचालित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। संस्थान के मार्गदर्शन में प्रदेश के चयनित पर्वतों पर वृक्षा-रोपण, जल-संरक्षण, जल के उपयोग, विलुप्त हो रही पादप प्रजातियों के संरक्षण और प्राकृतिक खेती संबंधित गतिविधियां संचालित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश में सौर ऊर्जा सहित क्लीन एवं ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में जारी गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से संस्थान की रूचिवर्धन मिश्र, संजय सहगल, बाबूलाल जाट, नील केलकर और गजेंद्र गौतम ने भी भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान के सम्मुख संस्थान के ब्राइटर माइंडस् कार्यक्रम के बच्चों की ग्रहणशीलता पर प्रभाव का प्रदर्शन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में हार्टफुलनेस संस्थान का पहला केंद्र 1987 में विदिशा के गंजबासौदा में स्थापित हुआ। वर्तमान में प्रदेश में 150 केंद्र, 12 आश्रम और 400 प्रशिक्षक कार्यरत हैं।

टी-20 विश्व कप में सैमसम निभा सकते हैं अहम भूमिका: शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप में

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसम अहम भूमिका निभा सकते हैं। पूर्व कोच शास्त्री का मानना है कि बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी, श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन 5वें नंबर के लिए प्रबल दावेदार हैं पर अगर ऑस्ट्रेलियाई हालातों को ध्यान में रखे तो सैमसम से ज्यादा संभावनाएं हैं क्योंकि उनके पास किसी भी और भारतीय बल्लेबाज के मुकाबले ज्यादा शॉट्स हैं। ऐसे में शास्त्री का मानना है कि सैमसम को विश्व कप के लिए टीम में जगह जरूर मिलेगी। शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में उछाल, तेजी को देखते हुए सैमसंग सबसे बेहतर विकल्प रहेंगे। उन्होंने कहा कि आईपीएल में इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया था। सैमसन ने आईपीएल के 15 वें सत्र में शानदार कप्तानी करते हुए राजस्थान की टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। इस दौरान वह अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे हैं। संजू ने 17 मैचों में 458 रन बनाए। उन्होंने बल्लेबाज करते हुए 2 अर्धशतक बनाये। इसके बाद भी उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तीन नये खिलाड़ियों को अवसर दिया

रीफर की पांच साल बाद वापसी

सेंट जोन्स (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज ने डेवोन थॉमस, गुडाकेश मोती और एंडरसन फिलिप को बांग्लादेश के खिलाफ 16 जून से यहां यहां शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट के लिए अपनी 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। यह तीनों ही नये खिलाड़ी हैं। विकेकीपर बल्लेबाज थॉमस ने वेस्टइंडीज की ओर से 21 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। वहीं स्पिनर मोती ने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है जबकि तेज गेंदबाज फिलिप अभी पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी वेस्टइंडीज की टीम का हिस्सा हैं। फिलिप को हाल में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली

वेस्टइंडीज की टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ 2017 में एकमात्र टेस्ट खेलने वाले रेमन रीफर की भी पांच साल बाद वापसी हुई है।

अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच भी अगर फिट हो जाते हैं तो उन्हें भी टीम में जगह मिल जाएगी। वहीं पूर्व कप्तान जेसन होल्डर को एंटीगा में बांग्लादेश के खिलाफ 16 से 20 जून और जमैका में 24 से 28 जून तक होने वाले टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। बांग्लादेश की टीम वेस्टइंडीज दौरे पर तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच भी खेलेगी। टी20 मुकाबले डोमीनिका में दो और तीन जुलाई तथा गयाना में सात जुलाई को खेले जाएंगे जबकि तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय गयाना में 10, 13 और 16 जुलाई को होंगे।

वेस्टइंडीज टीम इस प्रकार है ः क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड, एनक्रुमाह बोनर, जॉन कैंपबेल, जोशुआ डा सिल्वा, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, एंडरसन फिलिप, रेमन रीफर, जेडन सील्स और डेवोन थॉमस।

टेनिस खिलाड़ी तारा मूरे डोपिंग मामले में फंसी, अस्थाई तौर पर निलंबित

लंदन। ब्रिटेन की टेनिस खिलाड़ी तारा मूरे को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर खेल के डोपिंग रोधी नियमों के तहत अस्थाई तौर पर निलंबित किया गया है। 'इंटरनेशल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी' (आईटीआईए) ने बुधवार को कहा कि

युगल में दुनिया की 83वें नंबर की खिलाड़ी 29 साल की मूरे अप्रैल में कोलंबिया में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के दौरान नेंड्रोलिन मेटाबोलाइट और बोल्डेनोन के लिए पॉजिटिव पाई गईं। आईटीआईए ने कहा, 'खिलाड़ी अब बी नमूने की जांच का आग्रह कर सकती हैं जिससे पता चलेगा कि ए नमूने की पुष्टि होती है या नहीं।' मूरे ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ नहीं लिया। मैं जानने की कोशिश कर रही हूं कि पॉजिटिव नतीजा कैसे आया और यह साबित करूंगी कि में पाक साफ खिलाड़ी हूं।' उन्होंने कहा, 'अस्थाई निलंबन से मैं बेहद दुखी हूं और उम्मीद करती हूं कि जितना जल्दी संभव हो कोर्ट पर वापसी करूंगी।'

इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड : जैक लीच फिट हुए, दूसरे टेस्ट के लिए ऐसी है प्लेइंग 11

नाटिंघम (एजेंसी)।

इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए फिट घोषित किए गए हैं। पिछले हफ्ते पहले टेस्ट के दौरान सिर में चोट लगने के बाद लीच को कनकशन (सिर में चोट लगने से बेहोशी जैसी स्थिति) से जुड़े नियमों से गुजरना पड़ा था। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए गुरुवार को इंग्लैंड ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया। इंग्लैंड लगातार दूसरा टेस्ट जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने के इरादे से उतरेगा। लाड्र्स में पहले टेस्ट के पहले दिन बाउंड्री के समीप गिरने से लीच के सिर में चोट लगी थी। कनकशन के कारण बाकी टेस्ट में मैट पार्किंसन ने उनकी जगह ली थी। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पांच विकेट से जीता था। इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा, 'जैक लीच ने कनकशन के बाद खेल में वापसी के लिए सात दिन का अनिवार्य निगरानी समय पूरा कर लिया है और वह मैच में खेलने के लिए फिट हैं।' हाल में इंग्लैंड के कप्तान नियुक्त किए गए बेन स्टोक्स ने बुधवार को नेट पर गेंदबाजी नहीं की। ऐसा लगा रहा था कि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है और वह टीम डॉक्टर से बात कर रहे थे। न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित नहीं की है लेकिन उसे आलराउंडर कोलिन डिग्रैंडहोम की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो दाएं टखने में चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

एफआईएच प्रो लीग: बेल्जियम के खिलाफ मुकाबलों से पहले सविता ने दिया ये बयान

ब्रसेल्स। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने इस सप्ताहांत एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग में मेजबान बेल्जियम के खिलाफ होने वाले दो मुकाबलों से पहले कहा है कि उनकी टीम के पास विदेशी सरजमीं पर जीत दर्ज करने के लिए सब कुछ है। भारतीय टीम अभी आठ मैच में 22 अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रही है। सिर्फ अर्जेन्टीना और नीदरलैंड ही उससे आगे हैं। दूसरी तरफ बेल्जियम की टीम आठ मैच में 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। भारतीय टीम एंटवर्प के स्पोर्टसेंकट्रम विलरिक्से प्लेन स्टेडियम में बेल्जियम से 11 और 12 जून को भिड़ेगी। सविता ने हॉकी इंडिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हम बेल्जियम से भिड़ने के लिए तैयार हैं। हमारी टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्हें पता है कि विदेशी सरजमीं पर जीत दर्ज करने के लिए क्या करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'हाल के महीनों में हमने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और हमें विश्वास है कि हम विदेश में बड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करने में सक्षम हैं।' अप्रैल में भारत ने पहले मैच में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड को 2-1 से

हराया था लेकिन दूसरे मैच में उसे शूट आउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था। सविता ने कहा, 'हमने अपने पिछले दो मैच में नीदरलैंड के खिलाफ जो गलतियां की उन पर काम किया है। हमें विश्वास है कि आगामी मुकाबलों में हम वही गलतियां नहीं दोहराएंगे।' उप कप्तान नियुक्त की गई दीप ग्रेस एक्का ने कहा कि टीम में काफी आत्मविश्वास है और अगला मुकाबला जीतने से विश्व कप से पहले उनका मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि हम तैयार हैं। हमें अपने ऊपर, हमारी टीम पर और सबसे महत्वपूर्ण एक-दूसरे पर भरोसा है। हमें पता है कि हमें अपने प्रदर्शन को बरकरार रखना होगा क्योंकि हम एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं जो इस साल जुलाई में होगा।'

जज्बे के साथ भारतीय टीम की अगुआई करूंगा: पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला की शुरुआत से सिर्फ एक दिन पहले भारतीय टीम की कप्तानी मिलने के बाद नव नियुक्त कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि वह जज्बे के साथ इस जिम्मेदारी को निभाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उप कप्तान बनाए गए पंत को उस समय टीम की कप्तानी सौंपी गई जब कप्तान लोकेश राहुल पहले मैच की शुरुआत से एक दिन पहले दाईं ग्रोइन की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर हो गए। नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इस श्रृंखला से आराम दिया गया है।

पंत ने पहले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''यह काफी अच्छा अहसास हैं, हालांकि यह जिम्मेदारी अच्छे हालात में नहीं मिली। मुझे भी यह खबर एक घंटा पहले ही मिली इसलिए अभी इस अहसास से गुजर रहा हूं।'' दिल्ली के इस क्रिकेटर ने कहा, ''मैं अब तक इस सूचना को नहीं पचा पाया हूं। यह मौका मिलना शानदार अहसास है, विशेषकर अपने शहर में।''

पंत पिछले दो सत्र से इंडियन प्रीमियर लीग टीम दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई कर रहे हैं। हाल में संपन्न आईपीएल के दौरान पंत ने अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर प्रयोग किया था। यह पूछने पर कि क्या वह अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव जारी रखेंगे, पंत ने कहा, ''मेरा बल्लेबाजी क्रम हालात पर निर्भर करेगा। इन हालात में लगातार बदलाव वाला बल्लेबाजी क्रम नहीं हो सकता क्योंकि हम स्पिनरों के खिलाफ काफी खेलते हैं लेकिन अगर हमें बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की जरूरत होगी तो हम ऐसा करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''एक कप्तान के रूप में इससे मुझे काफी मदद मिलेगी। जब आप लगातार काफी समय तक एक जैसी चीज करते हो तो आपमें सुधार होता है और आप इससे सीखते हो और मुझे लगता है कि इससे मुझे मदद मिलेगी।''

चौबीस साल के पंत का मानना है कि आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, ''दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी से काफी मदद मिलेगी। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो अपनी गलतियों से सीखता है।'' बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी मंगलवार को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए दाएं हाथ में चोट लगने के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

पंत ने कहा, ''बल्लेबाजी क्रम में अधिक बदलाव नहीं होगा। लोकेश राहुल को पारी का आगाज करना था तो एक बदलाव होगा। हमारे पास काफी सलामी बल्लेबाज नहीं हैं इसलिए आपको पता है कि यह बदलाव क्या होगा।'' पंत ने कहा कि टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम में काफी बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

उन्होंने कहा, ''एक टीम के रूप में हमने निश्चित लक्ष्यों के बारे में सोचा है जो हमें हासिल करने हैं। हम लगातार उन पर काम कर रहे हैं। हम विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं। आगामी दिनों में आपको काफी बदलाव देखने को मिलेंगे।

मलेशिया में खत्म होगा अनिवार्य मृत्युदंड, वैकल्पिक सजा पर सरकार ने जताई सहमति

मलेशियाई सरकार 8 जून को कैबिनेट की बैठक के दौरान अनिवार्य मौत की सजा के लिए वैकल्पिक सजा के अध्ययन पर एक रिपोर्ट की प्रस्तुति के बाद इस निर्णय पर पहुंची।

मलेशिया की सरकार ने अनिवार्य मृत्युदंड को खत्म करने और न्यायाधीशों को अलग-अलग अपराध के हिसाब से वैकल्पिक सजा सुनाने की अनुमति देने पर

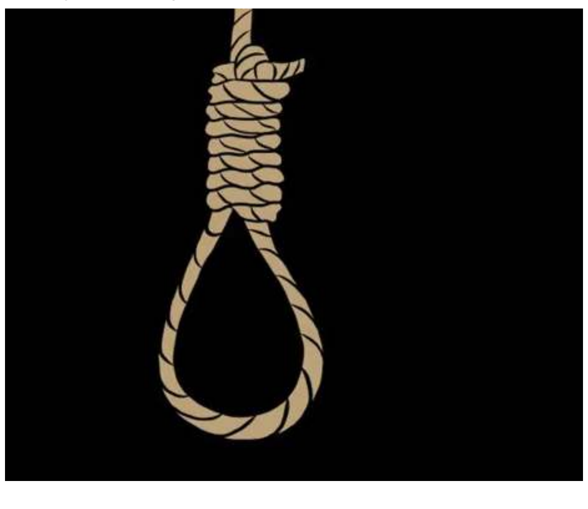

सहमति व्यक्ति की है।

दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के लिए यह फैसला अहम माना जा रहा है क्योंकि इन देशों में मौत की सजा वाले अपराधों में हत्या, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद, अपहरण और आग्नेयास्त्र का इस्तेमाल शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलेशियाई सरकार 8 जून को कैबिनेट की बैठक के दौरान अनिवार्य मौत की सजा के लिए वैकल्पिक सजा के अध्ययन पर एक रिपोर्ट की प्रस्तुति के बाद इस निर्णय पर पहुंची।

मलेशियाई प्रधानमंत्री विभाग में कानून मंत्री वान जुनादी तुंकू जाफर ने कहा कि अदालत के विवेक पर मृत्युदंड को अन्य प्रकार की सजा में बदल दिया जाएगा।

उन्होंने एक बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने सहमति व्यक्त की है कि 11 अपराधों के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक सजा के संबंध में आगे अध्ययन और शोध किया जाना चाहिए।

देश के कानून मंत्री वान जुनादी ने एक बयान में कहा कि सरकार उन 11 अपराधों में अन्य सजाएं देने पर विचार करेगी जिनमें फिलहाल मौत की सजा दी जाती है। साथ ही उन 20 से अधिक अपराधों के लिए भी अन्य सजाओं पर विचार किया जाएगा जिनमें अदालत के विवेक पर मौत की सजा होने की संभावना होती है।

इंस संबंध में कानून में संशोधन किया जाना,

उसे पारित करना व संसद की मंजूरी मिलना बाकी है।

कानून मंत्री ने कहा,"इस मामले पर लिया गया निर्णय, सभी पक्षों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने को लेकर सरकार की प्राथमिकता और गतिसील आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार को लेकर देश के नेतृत्व की पारदर्शिता को दर्शाता है।"

परवेज मुशर्रफ की हालत नाजुक, परिवार ने कहा- वे इस स्थिति में, जहां से रिकवरी संभव नहीं

पाकिस्तान के पूर्व परवेज मुशर्रफ को लेकर शुक्रवार को बड़ी खबर आई। बताया जा रहा है कि उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वे लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। रिपोट्र्स की मानें तो मुशर्रफ को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। मुशर्रफ को दिल और अन्य बीमारियों की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे दुबई के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं।

मुशर्रफ के करीबी सहयोगी और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने बताया कि मुशर्रफ संयुक्त अरब अमीरात के एक अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मुशर्रफ को वेंटिलेटर पर रखा गया है। इमरान खान सरकार में सूचना मंत्री रहे फवाद चौधरी एक समय में मुशर्रफ के प्रवक्ता थे।

चौधरी ने कहा कि उन्होंने मुशर्रफ के बेटे से बात की है, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के बीमार होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मैंने अभी दुबई में जनरल मुशर्रफ के बेटे बिलाल से फोन पर बात की है, जिन्होंने पिता के

वेंटिलेटर पर होने की पुष्टि की।

इस बीच ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग के अध्यक्ष इफजाल सिद्दीकी ने कहा कि जनरल परवेज मुशर्रफ घर पर हैं और मामूली रूप से बीमार हैं। कृपया फर्जी खबरों पर ध्यान नहीं दें। उनकी अच्छी सेहत के लिए दुआ करें।

परिवार ने ट्विटर पर दी जानकारी

हालांकि, मुशर्रफ के ट्विटर हैंडल पर शाम छह बजे एक संदेश डाला गया। इसके मुताबिक, वह वेंटिलेटर पर नहीं हैं। अपनी बीमारी (एमाइलॉयडोसिस) की जटिलता के कारण पिछले तीन सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं। वह इस हालत में पहुंच गए हैं, जहां से रिकवर होना संभव नहीं है। उनके कई अंग खराब हो चुके हैं। आप सभी उनके लिए दुआ करें।

मार्च 2016 में दुबई गए थे मुशर्रफ

मुशर्रफ को पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या और लाल मस्जिद के मौलवी के मारे जाने के मामले में भगोड़ा घोषित किया गया है। पूर्व सैन्य शासक इलाज के लिए मार्च 2016 में दुबई गए थे और तब से वापस नहीं लौटे हैं।

कोर्ट ने सुनाई है फांसी की सजा

पाकिस्तान के पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ को विशेष अदालत ने 2019 में जद्रोह का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। वह पाकिस्तान के इतिहास में पहले सैन्य शासक हैं, जिन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। वह 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अपदस्थ कर सत्ता पर काबिज हुए और 2008 तक सत्ता संभाली। मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहने के अलावा पाकिस्तान की सेना के मुखिया भी रह चुके हैं। करगिल की लड़ाई के लिए मुशर्रफ को ही सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाता है। उन्होंने नवाज शरीफ का तख्तापलट किया था।

2013 में देशद्रोह का मामला दर्ज किया था

मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार ने पूर्व-सेना प्रमुख के खिलाफ नवंबर 2007 में अतिरिक्त संवैधानिक आपातकाल लगाने के खिलाफ 2013 में देशद्रोह का मामला दर्ज किया था, जिसके चलते कई श्रेष्ठ न्यायालय के न्यायाधीशों को जेल में डाल दिया गया था। साथ ही 100 से अधिक न्यायाधीशों की बर्खास्तगी की गई थी।

फिल्म बड़ी होती हैं कलाकार नहीं : नुसरत भरुचा

नुसरत भरुचा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जनहित में जारी को लेकर चर्चा में है. एक्ट्रेस ने आनेवाली फिल्मों को लेकर बात की. साथ ही उनकी आने वाली मूवीज के बारे में भी बताया. अभिनेत्री नुसरत भरुचा फ़िल्म दर फ़िल्म इंडस्ट्री में अपनी उपस्थिति को मजबूत करती जा रही हैं. नुसरत की फ़िल्म जनहित में जारी जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. नुसरत इस फ़िल्म का चेहरा हैं. छोरी के बाद यह दूसरी फिल्म होगी. जो उनके कंधों पर हैं. इस पहलू को नुसरत सशक्तिकरण करार देती हैं.

जनहित में जारी एक महिला प्रधान फ़िल्म है, जिसका चेहरा आप हो क्या रिएक्शन है?

निर्देशक राज शांडिल्य ने जब ड्रीम गर्ल मुझे ऑफर की थी, तो लगा कि चलो कोई तो पिक्चर मेरे ऊपर है. उसमें बाद में मालूम हुआ कि लड़का ही लड़की है मतलब ड्रीम गर्ल है. जब राज सर ने दूसरी फिल्म मतलब ये फ़िल्म ऑफर की, तो मुझे ख़ुशी हुई कि मुझे इस बार फिल्म में सेंट्रल किरदार मिल रहा है. यह बात मुझे एक सशक्तिकरण का भी एहसास दिलवा रही थी कि चलो किसी ने तो किया

आपने अपनी ज़िन्दगी में कंडोम के बारे में कब जाना था ?

मुझे लगता है कि जब मैं स्कूल में थी , तभी इस पर बात हुई थी. हमारे स्कूल में सेक्स एजुकेशन की भी एक क्लास होती थी , फिर बाद मुझे और भी जानकारी मेरे घर पर मिली. मेरे घर का माहौल बहुत ही प्रोग्रेसिव रहा है. मेरे मां, पिताजी ही नहीं , बल्कि मेरी दादी की भी सोच काफी प्रोग्रेसिव है. मेरा पूरा परिवार अगर इन मुद्दों पर नार्मल है, तो इसका पूरा श्रेय मेरी दादी को जाता है. मैंने लाइफ का पहला दारू का ग्लास भी मां, पिताजी और दादी के साथ बैठकर लिया है. मैं उस वक़्त दसवीं क्लास में शायद थी. डैड ने कहा था कि अगर चखना ही है ,तो घर पर हमारे सामने ,बाहर किसी ने पिला दी तो गड़बड़ हो जाएगी. मैंने उस वक़्त पी तो मैंने बोला था क्या ये बकवास है. डैड ने व्हिस्की दी थी शायद वो चाहते थे कि मुझे पसंद ना आए.

तो आप ड्रिंक से दूर रहती हूं ?

ऐसा नहीं है. मुझे मेरे कॉकटेल्स से बहुत प्यार है. चूंकि हम एक्टिंग फील्ड से हैं,तो हमें अपनी फिटनेस का बहुत ख्याल रखना पड़ता है ,इसलिए मुझे इनसे दूरी बनाकर रखनी पड़ती है.

आप एक प्रोग्रेसिव परिवार से आती हैं लेकिन हमारे समाज की ऐसी सोच नहीं है ?

हां मुझे बहुत दु :ख होता है. जब मैं लोगों को बोलती हूं कि मुझे इसके बारे में मालूम था , बहुत पहले से ही. अपने स्कूल और फिर अपने घर से तो लोगों के रिएक्शंस देखने लायक होते हैं. मुझे कई बार विश्वास नहीं होता है. जब लोग ऐसी बातें करने से कतराते हैं ,जो सबसे अहम है क्योंकि देश की आधी से अधिक समस्या आबादी की वजह से है.

क्या आपको लगता है कि एक उम्र निर्धारित होनी चाहिए , जब बच्चों को इसके बारे में बताया जाए ?

मैं अपने बच्चों के लिए उम्र तय कर सकती हूँ ,लेकिन मैं शायद किसी और के बच्चों के लिए नहीं बोल सकती हूं. वो उनके माता- पिता का फैसला होगा.

फिल्में बदलाव लाती हैं क्या और किसी फिल्म ने आपकी सोच को कभी बदला है?

बहुत सारी फिल्में हैं. बॉम्बे की फिल्म की बात करूं तो वह लव स्टोरी थी लेकिन दंगों पर उसकी कहानी आधारित थी. हमने उस वक़्त कभी दंगे देखें नहीं थे , हम तो घर पर ही थे. बॉम्बे फिल्म देखने के बाद महसूस हुआ था कि आप सही तरीके से कहानी कहकर लोगों को बहुत कुछ महसूस करवा सकते हैं.

छोरी के बाद जनहित में जारी आपकी दूसरी महिला प्रधान फिल्म है , क्या इंडस्ट्री पूरी तरह से तैयार हो चुकी है आपके कंधे पर फिल्म की जिम्मेदारी देने के लिए ?

ये सवाल और उसका जवाब पहले मेरे जेहन में आता नहीं था ,अब चूंकि इतने लोगों ने बोल दिया है, तो अब ये मेरे दिमाग में आने लगा है. इससे पहले मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं अकेले अपने कन्धों पर किसी फिल्म को लेकर जा रही हूं मुझे लगता है कि फिल्म हर किसी के कंधे पर टिकी होती है. अगर मैंने अच्छा सीन दिया लेकिन डायरेक्टर ने या एडिटर ने वो लिया ही नहीं तो फिर मेरे अच्छे परफॉर्मेंस करने का क्या फायदा है. मैं सिर्फ एक्टिंग कर सकती हूं. उसके पहले और बाद का बहुत प्रोसेस होता है.

क्या जेहन में ये बात चलती है कि आपने अच्छा परफॉर्मेंस दिया , उसके बावजूद कहीं डायरेक्टर ने उस सीन को नहीं लिया तो मेहनत बेकार हो जाएगी?

एक एक्टर की अपनी असुरक्षा की भावनाएं होती है. उससे मैं भी अछूती नहीं हूं. मैं हमेशा अपने निर्देशकों से ज़रूर बोल देती हूं कि सर मुझे लगता है कि मैं तीसरे शॉट में अच्छी थी. मुझे लगता है कि ऐसा कहने से निर्देशक एक बार वो थर्ड शार्ट ज़रूर देखते होंगे क्यूंकि आर्टिस्ट ने बोला है कि अलग और अच्छा है,मगर आखिर में फैसला निर्देशक को ही लेना पड़ता है.

आप इंडस्ट्री में अपना एक मुकाम बना रही है, मौजूदा सफलता को किस तरह से देखती हैं?

ऐसा कुछ नहीं है. कल रात मैं एक शो में गयी थी. मुझे बोलना पड़ा कि मैं नुसरत हूं. मैं शो में गयी थी जिससे मैंने बात की, वो शख्स मुझे पहचान ही नहीं रहा था. मुझे उससे परेशानी भी नहीं है क्यूंकि मुझे ये बात अच्छे से पता है कि अभी मैं उस मुकाम पर नहीं पहुंची हूं जब लोग नुसरत भरुचा की फिल्म देखने के लिए थिएटर आएं.. वो जनहित में जारी देखने आएंगे. सोनू के टीटू की स्वीटी देखने आएंगे. फिल्में मुझसे बड़ी हमेशा से थी और हमेशा रहेंगी. प्यार का पंचनामा दो और आकाशवाणी तक लोग मेरा नाम तक नहीं जानते थे. फोटोग्राफर्स मुझे पंचनामा की लड़की कहकर बुलाते थे. पंचनामा में तीन लड़कियां थी. मेरा नाम नुसरत है, लोगों को ये भी याद करने में समय लगा.

कार्तिक आर्यन की कामयाबी कैसे देखती हैं ?

वो छोड़िये मैं कैसे देख रही हूं. पूरी दुनिया उसकी कामयाबी को देखती है. लव सर के साथ मेरे शुरूआती फिल्में रही हैं तो एक बात मैंने सीखी है कि पिक्चर चलेगी तो सबका भला. नहीं चली तो सबका बुरा ही होना है. कार्तिक की चली और वो भी चल निकला.

लव रंजन की अगली फिल्म कब कर रही हैं ?

सर से पूछना पड़ेगा वैसे सर का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि वो एक वक़्त पर एक ही फिल्म करते हैं. अब उस फिल्म को एक साल लगे या दो साल , वो वहीं करेंगे. जब तक वो रिलीज होगी नहीं ,वो दूसरा सोचेंगे नहीं.

एक्टिंग में आने के बाद आप क्या सबसे ज़्यादा मिस करती हूं?

मैं सबसे ज़्यादा मिस करती हू अपने परिवार को समय देना. अपने दोस्तों के साथ चिल करना. मैं उनके साथ कभी भी जाकर कॉफी नहीं पी सकती हूं. मेरी सहेली है इशिता, एक्टिंग में आने से पहले मैं घंटों उसके साथ मॉल में घूमती थी लेकिन अब ऐसा नहीं कर सकती हैं. मेरी दादी के दो ऑपेरशन हुए थे हाल ही में लेकिन मैं नहीं थी. इसका मुझे बहुत दुख है.

शादी के लिए क्या प्लानिंग है ?

वक्त नहीं है. लड़के को मिलने और उसके साथ समय बिताने के लिए समय चाहिए. एक मेन्टल स्पेस चाहिए. 15 मिनट मिलकर मैं शादी का फैसला नहीं ले सकती हूं. इंडस्ट्री के लड़के से शादी मैं नहीं करना चाहती हूं. मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर अलग इंडस्ट्री से हो तो उसके लिए उसके साथ समय बिताना होगा.

आप सोशल मीडिया पर भी हैं, ट्रॉलिंग को किस तरह से डील करती हैं?

मेरे पैर की छोटी ऊंगली में चोट लग गयी है. फ्रैक्चर हो गया है. मैं एक फिल्म के सेट पर पिछले एक महीने से शूट कर रही हूं तो मुझे रिकवर करने का समय ही नहीं मिला है . जो मेरी फिल्म का हीरो है. वो छह फुट तीन इंच का है तो हील्स का साथ मुझे नहीं छोड़ना पड़ा. आप सोच सकते हैं कि जब आपको चोट लग जाए और आपको हील फिर भी पहनना तो पैरों की क्या हालत हो सकती है. उसपर मुझे डांस करना था एक गरबे का शॉट था. उंगली का प्लास्टर भी नहीं हो सकता है तो उनको एक साथ टेप कर दिया गया था, ताकि उस पर और ज़्यादा वजन ना पड़ें. दिन में उतना दर्द मालूम नहीं होता है. रात में थोड़ा दर्द होता है और ये भी समझ नहीं आता कि किस पोजीशन में सोएं ताकि पैरों पर कम वजन पड़े. मैं बताना चाहूंगी कि मैं एक रेडियो शो में अपने इसी चोट और बैंडेज के चली गयी थी तो इस पर लोगों ने मुझे ट्रोल करना शुरू कर दिया था कि ओवरएक्टिंग कर रही हूं अरे यार इसमें एक्टिंग ही क्या होती है जो ओवरएक्टिंग की बात है. मेरा कमिटमेंट था रेडियो स्टेशन के साथ तो मैं पैर में पट्टी बांधकर जाऊं या चलकर. ये मुझ पर है.

आनेवाली फिल्में कौन सी हैं ?

अक्षय कुमार के साथ रामसेतु , सेल्फी और छोरी 2 है.

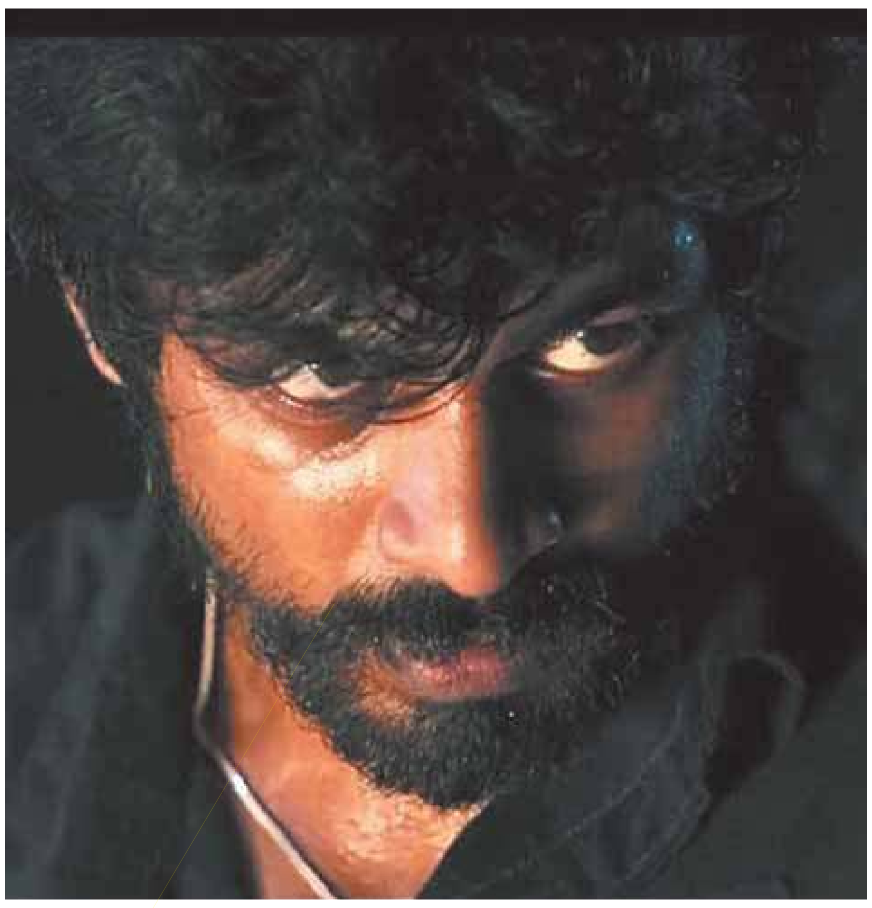

मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक विक्रम : अर्जुन दास

चेन्नई । अभिनेता अर्जुन दास भले ही निर्देशक लोकेश कनकराज की एक्शन एंटरटेनर फिल्म विक्रम में सिर्फ एक दृश्य में दिखाई दिए हों, लेकिन अभिनेता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इसे बहुत महत्व देते हैं, यह कहते हुए कि इसे मॉनिटर पर देखना मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक। मॉनीटर पर इसे बार-बार देखना, मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक था। मैं और अधिक नहीं मांग सकता था। मेरे तीन पसंदीदा - कमल सर, सूर्या सर और लोकेश सर के साथ काम करना। कमल सर, आपकी एक झलक पाने के लिए सैमको के बाहर इंतजार करना एक सपने के सच होने जैसा है। अवसर के लिए धन्यवाद। सूर्या सर, धन्यवाद। आपके साथ स्क्रीन साझा करना एक परम सम्मान की बात थी। मैं आपके साथ काम करना और आपके साथ हुई बातचीत को हमेशा संजो कर रखूंगा। हरीश सर, मुझे खुशी है कि मुझे आपके साथ फिर से काम करने और पिछली बार के विपरीत उसी फ्रेम में आपके साथ रहने का मौका मिला। राजसेकर सर, धन्यवाद, मैंने सेट पर हमारी हर बातचीत का आनंद लिया। अनिरुद्ध भाई, बहुत-बहुत धन्यवाद। एक बार फिर अनिरुद्ध संगीत का हिस्सा बनकर खुश हूं। फिलो सर, धन्यवाद। और आखिरी लेकिन कम से कम नहीं - धन्यवाद, मेरे मास्टर। यह आपके बिना संभव नहीं होता। तीसरी बार आपके द्वारा निर्देशित किया गया वास्तव में धन्य है।

मिमी के लिए आईफा जीत से खुश हुईं कृति सैनन

22वें आईफा में अपनी फिल्म मिमी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने अपनी बड़ी जीत के बाद सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने साझा किया कि, हालांकि प्रतिष्ठित खिताब जीतने के लिए उसे 8 साल लग गए, लेकिन वह खुश है कि उन्हें मिमी के लिए पुरस्कार मिला, जिसे वह अपनी फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण फिल्म मानती हैं। अपने सोशल मीडिया पर कृति ने आभार व्यक्त करते हुए एक प्यारा सा नोट साझा किया और इसे कैप्शन दिया, सपने सच होते हैं, आपको बस इतना करना है कि इसके लिए कड़ी मेहनत करते रहें और कभी विश्वास न खोएं। मुझे अपना पहला हैशटैग सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार पाने में 8 साल लग गए हैं। इस बीच, कृति आदिपुरुष, गणपथ, भेदिया और शहजादा सहित विभिन्न शैलियों की बड़ी परियोजनाओं में नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने साथ निभाना साथिया 2 में वापसी की घोषणा की

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी धारावाहिक साथ निभाना साथिया 2 में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गोपी बहू की भूमिका के लिए लोकप्रिय हुईं देवोलीना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया कि उन्होंने गोपी बहू के रूप में जाने जाने के 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह धारावाहिक में वापसी करेंगी और अपने किरदार को अधिक विस्तृत तरीके से चित्रित करेंगी। अभिनेत्री ने लिखा, गोपी के रूप में मुझे 10 साल हो गए। यह सिर्फ एक संयोग नहीं हो सकता। 06-06-2012 ने गोपी के रूप में मेरी यात्रा शुरू की और 06-06-2022 को फिर से आपके पास आ रहा हूं, क्योंकि गोपी और कुछ नहीं बल्कि आशीर्वाद है। उन्होंने आगे कहा, हालांकि मैं लंबे समय तक साथिया 2 का हिस्सा नहीं रह सकती हूं। लेकिन एक सेकंड के लिए भी किरदार को फिर से जीना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। उन्होंने आगे धारावाहिक के निर्माता रश्मि शर्मा और पवन कुमार मारुत के प्रति आभार व्यक्त किया। देवोलीना ने कहा, जल्द ही गोपी के रूप में आपके स्क्रीन पर आ रही हूं। बने रहें। और मेरे विस्तारित परिवार को धन्यवाद। आप सभी के बिना यह संभव नहीं होता। आई लव यू ऑल। गोपी के रूप में देवोलीना के 10 साल।

फिल्म 'कभी ईद कभी दीवाली' का बदला टाइटल!

सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली को लेकर नया अपडेट आया है. फिल्म का नाम बदला जा रहा है. अब कभी ईद कभी दीवाली, भाईजान के नाम से जाना जाएगा. सलमान खान हाल ही में आईफा अवॉर्ड्स में नजर आए थे, जहां उन्होंने शो को होस्ट किया था. इस दौरान सलमान सूट-बूट में काफी स्मार्ट लगे थे. उनकी कई तसवीरें और एक्ट्रेसेस के साथ मस्ती करते हुए वीडियोज वायरल हुए थे. अब उनकी आने वाली फिल्म कभी ईद कभी दीवाली को लेकर लेटेस्ट अपडेट आया है. दबंग खान इस फिल्म का टाइटल भाईजान करने वाले है. दरअसल, सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली का पहले नाम भाईजान था. जिसे बदलकर कभी ईद कभी दीवाली कर दिया गया. लेकिन एक बार फिर से इसका टाइटल बदला जा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों से पता चला है कि एक्टर फिर से वापस पुराने टाइटल पर विचार कर रहे है, जो कि भाईजान है. गौरतलब है कि इस फिल्म को इस साल की शुरुआत तक फिल्म को भाईजान के नाम से जाना जा रहा था. जिसके बाद कुछ महीने पहले ही इसका टाइटल बदलकर कभी ईद कभी दीवाली कर दिया गया. प्रोड्यूसर साजिद नाडियावाला की इस फिल्म का टाइटल दोबारा से सलमान खान भाईजान करने का सोच रहे है. वहीं, कभी ईद कभी दीवाली के कास्ट की बात करें तो पहले आयुष शर्मा और जहीर इकबाल की जगह जस्सी गिल और सिद्धार्थ निगम ले चुके है.

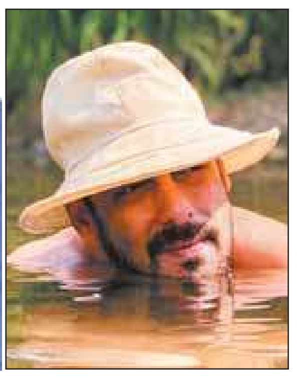

जहीर इकबाल ने सोनाक्षी सिन्हा संग अपने रिलेशनशिप को किया ऑफिशियल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती है. एक्ट्रेस इन-दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा नोटबुक एक्टर जहीर इकबाल संग अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है. दोनों की डेटिंग की खबरें कई दिनों से चली आ रही है. उस वक्त दोनों ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया, लेकिन अब जहीर इकबाल ने सोनाक्षी को सरेआम आई लव यू कहा है. दरअसल जहीर इकबाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. जिसमें वो और सोना एक साथ फ्लाइट में दिखाई दे रहे हैं. जहीर और सोना एक दूसरे संग मस्ती कर रहे हैं. सोनाक्षी अपना बर्गर एन्जॉय करते हुए दिख रही हैं. वहीं जहीर उन्हें किसी बात पर हंसा रहे हैं. इस वीडियो में दोनों कपल की केमिस्ट्री और स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग देखी जा सकती है. ब्लैक टी-शर्ट और ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटेड जैकेट पहने सोनाक्षी हमेशा की तरह स्टाइलिश लग रही थीं, उन्होंने ब्लैक कैप से अपने लुक को पूरा किया, वहीं जहीर सफेद रंग की टी-शर्ट में काफी हैंडसम लग रहे थे, जहीर इकबाल ने इस प्यारे से वीडियो के साथ एक रोमांटिक कैप्शन भी लिखा, हैप्पी बर्थडे सोना.. मुझे मारने के लिए धन्यवाद...आई लव यू...

परियोजना प्रबंधन कैरियर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

परियोजना प्रबंधन कौशल पेशे में सबसे अधिक मांग वाले कौशल हैं। किसी भी परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम व्यक्ति को व्यावसायिकता, आत्म-अनुशासन और फोकस की आवश्यकता होती है। एक प्रभावी परियोजना प्रबंधक न केवल परियोजना को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करता है बल्कि आकस्मिक लागत को कम करके सेवा के लिए अधिक मूल्य भी बनाता है। परियोजना प्रबंधन की तकनीकों में सार्वभौमिक अनुप्रयोग हैं और इसका उपयोग अधिकांश जटिल स्थितियों को संबोधित करने के लिए किया जा सकता है। प्रोजेक्ट मैनेजर किसी भी संगठन में एक प्रमुख पद होता है और परियोजना की सफलता के लिए मास्टर कुंजी रखता है। परियोजना प्रबंधन कौशल वाले आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर अपने संगठनात्मक कौशल के साथ योजना, संसाधन आवंटन, समय और बजटीय योजना के माध्यम से बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को वितरित करने में सक्षम हैं।

वास्तुकला और आंतरिक डिजाइन परियोजनाओं में वांछित परिणाम देने में सुसंगत रूप से काम करने वाली विभिन्न एजेंसियों की भागीदारी की आवश्यकता होती है। एक मास्टर मैनेजर के रूप में प्रोजेक्ट लीड को कार्य को परिभाषित करने वाली शामिल एजेंसियों का समन्वय करना होता है और प्रत्येक प्रदर्शन करने वाली टीम के समय को बदलना होता है। प्रोजेक्ट मैनेजर का करियर ग्राफ प्रोजेक्ट के प्रत्येक सफल समापन के साथ बढ़ता है।

एक प्रोजेक्ट मैनेजर बनने के लिए आवश्यक कौशल सेट एक अच्छे संचारक के लिए है, जिसे दस्तावेज़ीकरण के साथ-साथ कानून का भी ज्ञान है। एक परियोजना प्रबंधक की भूमिका एक जिम्मेदार पद है और इस प्रकार परियोजना के साथ दिमाग की पूर्ण उपस्थिति की आवश्यकता होती है। विभिन्न परियोजना प्रबंधन कार्यक्रमों में प्रदान किया गया प्रशिक्षण व्यक्तित्व, सॉफ्ट स्किल के साथ-साथ पारस्परिक कौशल को संवारना सुनिश्चित करता है। वर्तमान समय में विकास के लिए प्रत्याशित विकास की मात्रा में पेशेवर रूप से योग्य परियोजना प्रबंधकों की अभूतपूर्व आवश्यकता है। अधिक जानकारी के लिए आप वेबसाइट tsapmumbai.in पर जा सकते हैं

जय हिंद अभियान का जंतर मंतर मोर्चा मुकेश खन्ना गोपाल सिंह,दीपक त्रिपाठी की अगुवाई में सम्पन्न

पिछले लगातार 6 वर्षों से केंद्र सरकार,राज्य सरकारों तक अपनी मांगें संग्राम फाउंडेशन के तहत चल रहा जय हिंद अभियान रखता आ रहा है लेकिन किसी ने मांगों पर कोई जवाब नहीं दिया।अतः सरकार का ध्यान दिलाने के लिए 5 जून को जंतर मंतर पर स्वतंत्रता सेनानियों संबंधी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया जिसमें पूरे देश से अभियान के सहयोगियों ने हिस्सा लिया।

इस मोर्चे में मुकेश खन्ना,राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सिंह,राष्ट्रीय सचिव दीपक त्रिपाठी के अलावा स्वतंत्रता सेनानियों के कई परिजनों ने भी हिस्सा लिया।

मोर्चे के दौरान मुकेश खन्ना ने कहा कि आखिर क्या कारण है कि सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के लिए उठ रही जायज मांग को नजरअंदाज कर रही है। क्यों नही भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे नामो को भारतरत्न नही दिया जाता? क्यों नहीं इनके नामो से सरकारी योजनाएं चलाई जाती?

गोपाल सिंह ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 6 वर्षों के निरन्तर प्रयासों के बावजूद सरकार का ध्यान न देना उनका स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उदासीन रवैया दर्शाता है। दीपक त्रिपाठी ने प्रेस वार्ता में कहा कि यदि अभियान की मांगें नहीं मानी जाती तो हम अपना प्रदर्शन आगे भी करेंगे और जब तक सरकार जवाब नहीं देती तब तक हम अपने लोकतांत्रिक प्रयासों को जारी रखेंगे।उन्होंने बताया कि

क्या भारतरत्न,राष्ट्रीय राजमार्गों के नामकरण, पाठ्यक्रम में विस्तृत उल्लेख इत्यादि मांगें स्वतंत्रता सेनानियों के लिए जायज नहीं हैं और अगर जायज नही है तो सरकार खुलकर कहे।अगर हमारी मांगें जायज है तो तत्काल इसपर कार्यवाई हो।मुम्बई से जय हिंद अभियान के सैकड़ों सहयोगी पूरे दिन अपने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिये जंतर मंतर पर डटे रहे।

मुकेश खन्ना ने कहा कि हमने अपना डिमांड रख दिया अब आगे सरकार के जवाब का इंतजार है।

6 लाख चोरी के गुत्थी को नवघर पुलिस ने सुलझाया

संवाददाता । भाईदंर

मीरा भाईदंर बसई विचार पुलिस आयुक्तालय कार्यक्षेत्र के अंतर्गत नवघर पुलिस स्टेशन मे तकरीबन पाँच लाख छानबे हजार के आभुषण और 25 हजार नकद चोरी के मामले मे तीन चोरों को गिरफ्तार कर 5.96 लाख के आभुषण उनके पास से जब्त किए है। जानकारी मुताबिक आरएनपी पार्क, साई सरोवर बिल्डिग मे यह चोरी की घटना गत 31 मई को दोपहर 1 बजे घटी थी शिकायत कर्ता सतेन्द्र अमरपाल सिंह ने इस चोरी की घटना नवघर पुलिस स्टेशन मे 1जुन दर्ज कराई उनके मुताबिक कुल 8 लाख रुपये के सोने-चांदी के उनके आभूषण चुरा लिए गये है जब वह किसी काम से बाहर गये थे और घर मे कोई नही था पुलिस ने गुनाह क्रमांक 416/2022 आईपीसी की धारा 380, 454, 34 के अनुसार मामले को दर्ज किया गया और इस घटना में इतने बडे चोरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की । पुलिस उपायुक्त, सर्कल 01 नवघर संभाग के पुलिस अधिकारी ने मिलकर अपराध की आगे की जाँच मे सीसीटीबी कैमरे की मदद से संदिग्धों के बारे में और जानकारी हासिल करते हुए आरोपी आलोक कुमार मुन्ना सिंह,उम्र 24 साल निवास-वसई दूसरा आरोपी नूर अहमद अज़ीज़ुल्लाह सलमानी उम्र - 32 साल पेनकरपाड़ा, काशीमीरा से 5 जुन को हिरासत मे लिया गया साथ ही उन आरोपी की मुताबिक बताए तीसरे साथी सौरभ देवशरण यादव है 24 वर्षीयकाशीमीरा को पश्चिम बंगाल के हावड़ा की ट्रेन पकड कर भाग यात्रा करते समय अकोला से 7 जुन को हिरासत में लिया गया। उपरोक्त तीनो आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर रिमांड पर लिया गया आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात की कीमत 5,96,400/- रुपये के आभुषण जब्त कर लिए गये इस कार्य मे पुलिस उपायुक्त अमित काले सर्कल-01 डॉ. शशिकांत भोसले सहायक पुलिस आयुक्त, नवघर पुलिस स्टेशन के मिलिंद देसाई, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से यह खुलासा और धरपकड अभियान की गयी

मनपा के एक साथ 17 कर्मचारियों का प्रमोशन

संवाददाता । भाईदंर , मीरा भायंदर मनपा स्थापना से लगातार कार्यरत 17 लिपिक स्तर कर्मचारियों को वरिष्ठ लिपिक के पद पर पदोन्नत किया गया है मीरा भायंदर मनपा आयुक्तदिलीप ढोले ने इसका संज्ञान लेते हुए उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़ की पहल पर इन सब उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का पदोन्नति कर सम्मानित किया। पदोन्नत पाने वाले कर्मचारियों मे लिपिक टाइपिस्ट संजय म्हात्रे, प्रकाश चौधरी, नरेंद्र डोंगरे, संजय धनाजी पाटिल, विजय म्हात्रे, समिधा चव्हाण, राजेंद्र राउत, सुनील कावणकर, मनोज भोइर, हेलेन घोंसाल्विस, चंद्रकांत अहिरराव, तुषार किनी, विवेकानंद भोईर, प्रशांत पाटिल, प्रसाद गोखले आदि है सभी कर्मचारी काफी खुश थे और आयुक्त का धन्यवाद कहते हुए बेहतर काम करने का आश्वासन दिया।

काशीमीरा पुलिस ने दोपहिया वाहन चोर को किया गिरफ्तार

संवाददाता । भाईदंर

काशीमीरा पुलिस ने दो पहिया चोर को बुधवार को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन एक्टिवा स्कूटर जब्त किए हैं। गत 3 जुन को रमेश चंद्र रामनरेश मौर्य काशीगांव ने अपनी एक्टिवा मोटर साइकिल MH 04 GW 6390 और एमएच 04 जीएल 6858 की चोरी की शिकायत काशीमीरा पुलिस ठाणे में दर्ज करायी थी जिसके अंतर्गत काश्मीरा पुदिस चौकी ने आईपीसी की धारा 379 के तहत धारा 368/2022 के तहत अपराध दर्ज कर काशीमीरा चोरी की मोटरसाइकिल की जांच करते हुए एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी राजू नाथुलाल शर्मा 45 वर्षीय माशाचा पाड़ा, दरगाह रोड, मराठी स्कूल के पास काशीगांव, काशीमीरा से गिरफ्तार किया गया

उसके पास से एक्टिवा मोटर साइकिल नं MH04 GW 6390 तथा MH 04 GL 6858 तीसरी एक्टिवा एमएच 04 एचआर 6382 (झूठी नंबर प्लेट) सफेद एक्टिवा कुल मिलाकर तीन एक्टिवा मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं। जाँच के दौरा अपराध की जांच में अधिक जानकारी प्राप्त करते हुए उक्त व्यक्ति पर अलग अलग जगहों पर कई धाराओं मे केस दर्ज है उपरोक्त मुहिम की अगुवाई मे विजयकांत सागर, पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय मीरा भाईदंर पुलिस आयुक्तालय विलास सनप,सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड संभाग के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय हजारे आदि अधिकारी ने बखूबी कार्य को अंजाम दिया।

करटे खिलाडी को आयुक्त द्वारा सम्मान

संवाददाता । भाईदंर

अंतरराष्ट्रीय कराटे नेपाल मे हुई प्रतियोगिता मे अच्छा प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी को आयुक्त दिलीप ढोले ने किया सम्मानित मनपा आयुक्त ने 8 जुन बुधवार को मीरा भाईदंर का रहने वाले खिलाडी करण पवार को सम्मानित किया है ज्ञात हो कि हालियां मे नेपाल काठमांडू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में मीरा भायंदर शहर निवासी करण पवार ने 10 किलोग्राम आयु वर्ग में (A-1),1 स्वर्ण पदक,1 रजत पदक और 1 कांस्य पदक भारत का प्रतिनिधित्व कर भारत और मीरा भायंदर शहर का नाम बढ़ाया था। करण पवार द्वारा किए गए अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए 8 जून को मीरा मनपा आयुक्त दिलीप ढोले के हाथों से सम्मानित किया गया।

माथेरान अमन लॉज शटल सेवा
से 54 लाख से ज्यादे की राजस्व प्राप्ति

मुंबई तरंग, गणेश पाण्डेय

मुंबई: मुंबई मंडल के अंतर्गत मध्य रेलवे ने माथेरान शटल चलने वाली ट्रेनों से गत अप्रैल मई इस वर्ष मे 54.59 लाख की आय अर्जित की है। माथेरान मुंबई के नागरिकों के लिए निकटतम और सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। अमन लॉज और माथेरान के बीच यात्रियों के लिए अपनी शटल सेवाओं के साथ मध्य रेल ने इस स्थान को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मध्य रेल ने अप्रैल-मई 2022 के दौरान 78,577 यात्रियों ने सफर किया और 9115 पैकेजों का परिवहन किया। अमन लॉज और माथेरान के बीच अप्रैल से मई 2021 की अवधि के दौरान 5739 यात्रियों और 2931 पैकेजों का परिवहन किया गया है। पर्यटकों को एक आरामदायक यात्रा प्रदान करने के अलावा ये सेवाएँ सामग्री के सस्ते और त्वरित परिवहन में भी मदद करती हैं।

इसके परिणामस्वरूप अप्रैल-मई 2022 की अवधि के दौरान 54.59 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

इसमें 53.8 लाख रुपये का यात्री राजस्व और 74,117 रुपये का पार्सल राजस्व शामिल है। अप्रैल-मई 2021 की अवधि के दौरान 2.94 लाख राजस्व अर्जित किया,जिसमें यात्रियों से 2.70 लाख रुपये और पार्सल से रु.24475/-शामिल हैं।

नवाब मलिक को बॉम्बे हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत, नहीं डाल पाएंगे वोट

राज्यसभा चुनाव 2022 में वोट डालने के लिए महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को बॉम्बे हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने वोट डालने की अनुमति मांगने वाली संशोधित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन जस्टिस भारती डांगरे की बेंच ने जेल में बंद मलिक को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि यह याचिका गलत है और उन्हें एक उपयुक्त बेंच के समक्ष संशोधित आवेदन के साथ संपर्क करना चाहिए। स्पेशल पीएमएल कोर्ट द्वारा राज्यसभा चुनाव में मतदान की अनुमति के आवेदनों को खारिज किए जाने के बाद एनसीपी के नेताओं नवाब मलिक और अनिल देशमुख ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

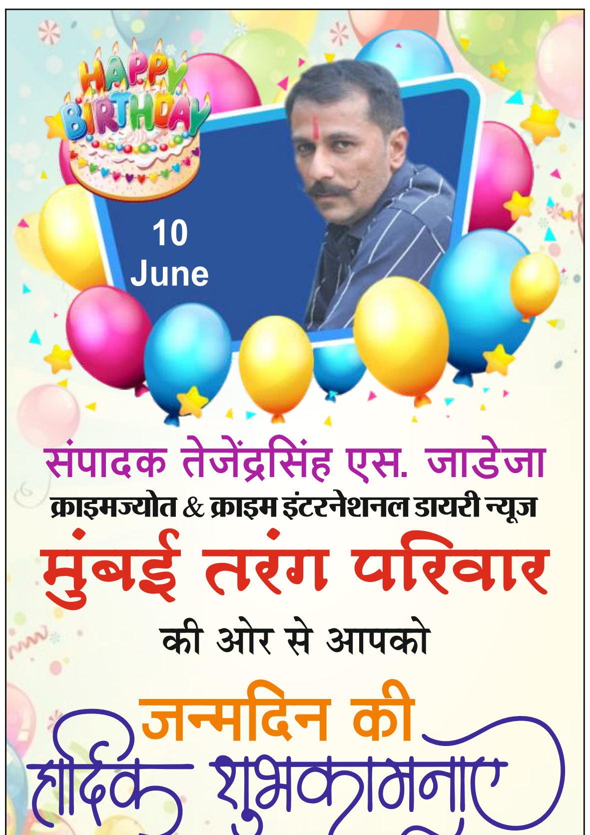

ओवैसी के समर्थन पर भड़की मनसे, कहा- निजाम के वंशजों से लेते हैं समर्थन, शिवसेना का हिंदुत्व उजागर हो गया

चार राज्यों की 16 राज्यसभा सीटों पर मतदान शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र में जहां ओवैसी ने महा विकास अघाड़ी को समर्थन देकर बड़ा दांव खेला है, तो राजस्थान और हरियाणा में निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन देकर भाजपा ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इन सबके बीच राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने शिवसेना पर हमला बोला है। दरअसल, महाराष्ट्र में AIMIM के दो विधायक हैं। इन दो विधायकों के वोट यहां के राज्यसभा चुनाव को दिलचस्प बनाते हैं। मतदान शुरू होने से पहले AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा गठबंधन महा विकास अघाड़ी को समर्थन दे दिया है। इसको लेकर मनसे ने कहा है कि ओवैसी की पार्टी से समर्थन लेकर

शिवसेना का हिंदुत्व उजागर हो गया है। निजाम के वंशजों से लिया समर्थन मनसे के प्रवक्ता गजानन काले ने कहा, शिवसेना ने निजाम के वंशजों से समर्थन लिया है। उनका हिंदुत्व कैसा है, यह उजागर हो गया है।

दरअसल, एआईएमआईएम की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि हमारे विधायक कांग्रेस उम्मीदवार इमरान खान को वोट करेंगे। महाराष्ट्र में एमवीए ने चार उम्मीदवारों को राज्यसभा के लिए उतारा है। इसमें शिवसेना के दो, कांग्रेस और राकांपा के एक-एक प्रत्याशी हैं। कांग्रेस नेता और राज्य के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने कहा, "हमारे सभी चार उम्मीदवार पहले दौर में ही आराम से चुनाव जीतने जा रहे हैं।"

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।